वर्ष 24, अंक 295, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | सोमवार 4 मई 2026 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

सुरक्षा ही बनी 9 लोगों का काल

ग्रिल और बंद ताले ने बनाया इमारत को मौत का चैंबर

- इलेक्ट्रॉनिक लॉक का वजह से फंसे रह गए लोग?
- लोहे की ग्रिल काटकर लोगों का किया रेस्क्यू
- पीड़ित परिवारों के साथ दिल्ली सरकार पूरी संवेदना के साथ खड़ी है- प्रवेश वर्मा
- यह एक बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी- वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली

दिल्ली के विवेक विहार इलाके में रविवार तड़के हुए अग्निकांड ने सुरक्षा इंतजामों की पोल खोलकर रख दी है। इमारत में सुरक्षा के लिए लगाई गई लोहे की ग्रिल और छत पर लगा ताला मासूम जिंदगियों के लिए काल बन गया। इस दर्दनाक हादसे में दो परिवारों के नौ लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक छोटा बच्चा भी शामिल है।

दिल्ली अग्निकांड पर सीएम रेखा गुप्ता ने जताया दुख, कहा- पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है सरकार

मौत का जाल बनी इमारत की बनावट

बचाव कार्य में जुटी टीमों के मुताबिक, इमारत का डिजाइन ही लोगों की मौत का सबसे बड़ा कारण बना। बेसमेंट के साथ बनी इस चार मंजिला इमारत में बाहर निकलने के लिए सिर्फ एक ही सीढ़ी थी और कोई 'इमरजेंसी एग्जिट' नहीं था। जैसे ही आग फैली, पिछले हिस्से में रहने वाले लोग लोहे की ग्रिल की वजह से बाहर नहीं कूद सके। वहीं, जो लोग जान बचाने के लिए भागकर छत पर पहुंचे, उन्हें वहां ताला लटका मिला।

सो रहे थे लोग, तभी हुआ धमाका

हादसा सुबह करीब 3:30 बजे हुआ, जब सभी गहरी नींद में थे। चश्मदीदों के अनुसार, एक एसी के फटने से जोरदार धमाका हुआ और आग तेजी से पूरी बिल्डिंग में फैल गई। पास की इमारतों के बीच जगह न होने के कारण आग दूसरी बिल्डिंग तक भी पहुंच गई। मदद के लिए चीख-पुकार मच गई और डर के मारे दो बच्चों ने तो सामने की ओर से कूदने तक की कोशिश की।

दो परिवारों ने खोए अपने सदस्य

दमकल विभाग को एक शव पहली मंजिल से, पांच शव दूसरी मंजिल से और तीन शव सीढ़ियों के पास से मिले। मृतकों में अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी, बेटा, बहू और पोता शामिल हैं। वहीं, एक अन्य परिवार के नितिन जैन (50), उनकी पत्नी और बेटे की भी इस हादसे में जान चली गई। पहली मंजिल पर रहने वाली शिखा जैन की भी मौत हो गई, जबकि उनके पति घायल हैं।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी

पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमें मामले की जांच कर रही हैं। यह साफ हो गया है कि गर्मी और धुएं के कारण ज्यादातर लोगों की मौत दम घुटने से हुई। इमारत में धुआं निकलने की कोई जगह नहीं थी और सुरक्षा के लिए बंद किए गए रास्तों ने लोगों को भागने का मौका ही नहीं दिया।

प्रधानमंत्री ने जताया दुख, मृतकों के लिए 2 लाख की मदद का ऐलान

दिल्ली के विवेक विहार इलाके में रविवार को हुए भीषण अग्निकांड पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। एक चार मंजिला इमारत में लगी इस आग में एक बच्चे समेत 9 लोगों की जान चली गई। पीएम मोदी ने इस हादसे को अत्यंत पीड़ादायक बताते हुए पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं।

प्रधानमंत्री ने मुआवजे का किया ऐलान

पीएम मोदी ने मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए आर्थिक सहायता की घोषणा की है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के परिवार को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। उन्होंने घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की है।

तड़के सुबह मचा हड़कंप

विवेक विहार फेज-1 की इस इमारत में आग लगने की सूचना दमकल विभाग को तड़के 3:48 बजे मिली। आग इतनी भयानक थी ।

ममता बनर्जी की सीट भवानीपुर में फिर हंगामा, टीएसी का आरोप

'स्ट्रॉन्ग रूम के पास गई बीजेपी के झंडे वाली कारें'

पश्चिम बंगाल

पश्चिम बंगाल में मतगणना का समय 24 घंटे से भी कम रह गया है. ऐसे में फिर से राज्य में हंगामा देखने को मिला है. इस बार यह हंगामा ममता बनर्जी की विधानसभा भवानीपुर में हुआ है. आरोप है कि स्ट्रांग रूम में बीजेपी झंडे लगी वाली कारें घुसने की इजाजत दी गई.

घटना इलाके के सखावत मेमोरियल गर्ल्स स्कूल में हुई है. इस दौरान ममता बनर्जी चार घंटे तक धरने पर बैठी रहीं. ममता ने बिना इजाजत लोगों के घुसने का आरोप लगाया. राज्य में दोनों पार्टियों के बीच कड़ी टक्कर देखने मिल सकती है. क्योंकि पार्टियों की तरफ से स्ट्रांग रूम की सिक्योरिटी पर कड़ी नजर रखी जा रही है.

टीएमसी कार्यकर्ता का आरोप- आर्मी जीप में बीजेपी का झंडा लगा था

न्यूज एजेंसी पीटीआई से बात करते हुए टीएमसी कार्यकर्ता ने कहा कि पुलिस अपना काम ठीक से कर रही थी. पुलिस तो साइकिलों की भी जांच कर रही थी. तभी एक कार अंदर घुसी. हमने आर्मी जीप में इखढ का झंडा देखा. उसे बिना जांच के ही आगे जाने दिया गया. तभी हमने इस पर आपत्ति जताई.

एक अन्य कार्यकर्ता ने बताया कि गाड़ी अंदर चली गई. वह एक सफेद रंग की गाड़ी थी. इसके आगे इखढ का लोगो लगा था. पीछे अ१८ लिखा हुआ था. पुलिस ने गाड़ी की जांच नहीं की. किसी भी गाड़ी को अंदर जाने की इजाजत कैसे दी जा सकती है?

चुनाव आयोग ने दी सफाई

वहीं इस पूरे मामले पर चुनाव आयोग के सीनियर अधिकारी ने बताया कि कार हरीश मुखर्जी रोड से गुजर रही थी. सिक्योरिटी फोर्स और पुलिस चेंकिंग के बाद उसमें कुछ भी आपत्तिजनक न मिलने पर उसे जाने दिया गया.

इधर, राज्य में कई जगह इसी तरह स्ट्रांग रूम के बाहर लगातार हंगामा हो रहा है।

महंगाई की मार!

दूध की कीमतों में 4 रुपये की बढ़ोतरी, इस राज्य ने लिया बड़ा फैसला

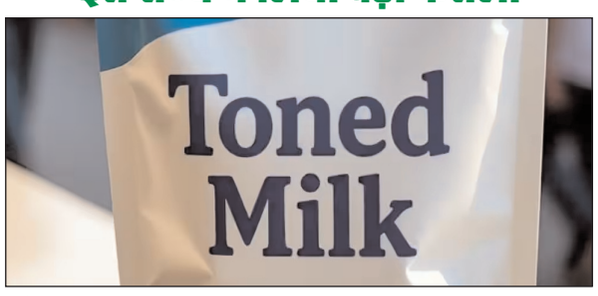

ओडिशा

देश में गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से लोग परेशान हो रहे हैं तो वहीं दूसरी और अब दूध के दामों में भी बढ़ोत्तरी ने लोगों की चिंताएं और बढ़ा दी हैं. ओडिशा मिल्क एंड डेयरी कोऑपरेटिव फेडरेशन (ओएमएफईडी) ने राज्य भर में दूध की कीमत में 4 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी की घोषणा की है. पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक ओडिशा राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (ओएमएफईडी) ने प्रोसेसिंग और परिवहन लागत में वृद्धि का हवाला देते हुए दूध की कीमत में 4 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोत्तरी की है. राज्य के मत्स्य एवं पशु संसाधन विकास मंत्री गोकुलानंद मल्लिक ने टोंड दूध की कीमत 50 रुपये से बढ़ाकर 54 रुपये प्रति लीटर करने और प्रीमियम दूध की कीमत 54 रुपये से बढ़कर 58 रुपये प्रति लीटर करने की घोषणा की है।

चाचा-भतीजे का शव बरामद, मरने वालों की संख्या 13 हुई

जबलपुर

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में बरगी बांध पर हुए क्रूज बोट हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। रविवार सुबह एक 5 साल के बच्चे और उसके चाचा के शव पानी से बरामद किए गए। यह हादसा गुरुवार शाम को आए भीषण तूफान के कारण हुआ था, जिसमें 40 से ज्यादा यात्रियों से भरी बोट पलट गई थी।

रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी

हादसे के बाद सेना, NDRF और SDRF की टीमों ने बड़ा बचाव अभियान चलाया। रविवार को मयूरम (5) और उसके चाचा कामराज के शव मिलने के साथ ही अब तक कुल 13 शव बरामद किए जा चुके हैं। सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, बोट पर 43 लोग सवार थे, जिनमें से 28 को सुरक्षित बचा लिया गया है। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

सरकार ने दिए जांच के आदेश

मध्य प्रदेश के पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने कहा कि यह बोट 2006 मॉडल की थी और इसे इस तरह डिजाइन किया गया था कि यह कभी न डूबे। सरकार का दावा है कि हादसा अचानक आए तेज तूफान और लहरों की वजह से हुआ है। फिर भी, मामले की गंभीरता को देखते हुए बड़े पैमाने पर जांच शुरू कर दी गई है और क्रूज के तीन सदस्यों को निलंबित कर दिया गया है। जांच टीम एक महीने के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

उत्तराखंड में बारिश-ओलावृष्टि से हालात बेकाबू, उत्तरकाशी हाईवे बना 'झरना'

उत्तराखंड

रविवार की सुबह उत्तराखंड के कई जिलों में मौसम ने अचानक करवट ली और घने काले बादलों ने दिन को रात में तब्दील कर दिया. देहरादून में तड़के से ही मूसलाधार बारिश शुरू हो गई. नदी-नाले उफान पर आ गए, कई मोहल्लों में पानी भर गया और जगह-जगह ओले गिरने से लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए.

सबसे डरावना नजारा उत्तरकाशी में देखने को मिला. गंगोत्री नेशनल

हाईवे पर मनेरी के पास पहाड़ी से अचानक इतने जोर से पानी का रेला आया कि देखते ही देखते वहां एक विशाल झरना बन गया. राजमार्ग पर चल रहे राहगीर और वाहन चालक हक्के-बक्के रह गए. जो जहां था, वहीं से भागा. किसी तरह लोगों ने अपनी जान बचाई. हाईवे कुछ देर के लिए अवरुद्ध हो गया ।

संविधान जीता, दमनकारी मशीनरी हारी- पवन खेड़ा

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट से अग्रिम जमानत मिलने के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का दिल्ली में भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने संविधान और न्यायपालिका के प्रति अपना अटूट विश्वास दोहराया। यह पूरा मामला असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी से जुड़े कथित मानहानि और जालसाजी के आरोपों से संबंधित है, जिसमें कोर्ट ने खेड़ा को बड़ी राहत दी है।

दिल्ली में पवन खेड़ा का जोरदार स्वागत

अग्रिम जमानत मिलने के बाद जब पवन खेड़ा दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचे,

तो वहां बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। जयराम रमेश समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने इस फैसले को 'संविधान की जीत' बताया। खेड़ा ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि जब भी सरकार अपनी मशीनरी का गलत इस्तेमाल कर किसी नागरिक के अधिकारों को दबाने की कोशिश करती है, तब बाबा साहब का बनाया संविधान ही रक्षा कवच बनकर सामने आता है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या कहा?

जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंदुरकर की बेंच ने सुनवाई के दौरान अहम टिप्पणी की।

कोर्ट ने कहा कि पहली नजर में यह मामला 'राजनीति से प्रेरित' और राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता से प्रभावित लगता है। अदालत ने माना कि इस मामले में हिरासत में लेकर पूछताछ करने की कोई जरूरत नहीं है।

कोई कानूनी कमी नहीं छोड़ेंगे- देवेंद्र फडणवीस

पुणे

पुणे में चार साल की बच्ची के साथ हुए रेप और मर्डर की दर्दनाक घटना पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का एकमात्र लक्ष्य आरोपी को मौत की सजा दिलाना है। उन्होंने पीड़ित के पिता से बात कर उन्हें भरोसा दिलाया है कि इस केस की सुनवाई रिकॉर्ड समय में पूरी की जाएगी।

आरोपी को फांसी दिलाने की तैयारी

मुख्यमंत्री फडणवीस ने बताया कि सरकार हाई कोर्ट के जरिए मामले की फास्ट ट्रैक सुनवाई और जल्द चार्जशीट दाखिल करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, 'हम यह पक्का करेंगे कि कोई भी कानूनी कमी न रहे जिसका आरोपी फायदा उठा सके।' वहीं, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी पुलिस को निर्देश दिए हैं कि इतने पुख्ता सबूत जुटाए जाएं जिससे आरोपी को फांसी की सजा मिलना तय हो सके।

जांच में पता चला है कि 65 वर्षीय आरोपी का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। 1998 में उस पर छेड़छाड़ का केस दर्ज हुआ था, जबकि 2015 में उसके खिलाफ पॉक्सो और हत्या की कोशिश के दो मामले दर्ज किए गए थे।

कुश्ती में कमबैक के ऐलान के साथ विनेश फोगाट का खुलासा

नई दिल्ली

ओलंपियन पहलवान और जुलाना से कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर खेल जगत और राजनीति में हलचल मचा दी है। विनेश ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ शिकायत करने वाली 6 महिला पहलवानों में वह खुद भी एक 'विक्टिम' हैं।

मैं भी बृज भूषण की एक विक्टिम हूं

विनेश फोगाट ने अपने संदेश में बेहद भावुक और साहसिक खुलासा करते हुए कहा कि करीब तीन साल पहले महिला खिलाड़ियों के शारीरिक शोषण के खिलाफ जो

आवाज उठाई गई थी, वह उसमें शामिल रही हैं। विनेश ने कहा, 'सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन है कि पीड़ित की पहचान सार्वजनिक न की जाए, लेकिन आज कुछ मजबूरियों के चलते मैं अपना नाम सार्वजनिक कर रही हूं। मैं बताना चाहती हूं कि जिन 6 महिला खिलाड़ियों ने शिकायत और गवाही दी थी, उनमें से एक विक्टिम मैं भी हूं।' फिलहाल यह मामला कोर्ट में है और गवाहियों की प्रक्रिया चल रही है।

कुश्ती संघ की मंशा पर उठाए सवाल

विनेश ने कुश्ती संघ द्वारा उत्तर प्रदेश में आयोजित की जा रही रैंकिंग प्रतियोगिता पर भी गंभीर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि यह प्रतियोगिता बृज भूषण शरण सिंह के निजी शिक्षण संस्थान में कराई जा रही है। विनेश का आरोप है कि ऐसे स्थान पर खिलाड़ियों को निष्पक्ष न्याय मिलना नामुमकिन है। उन्होंने आशंका जताई कि वहां मैच के निर्णायकों और अंकों को प्रभावित कर किसी भी खिलाड़ी को जानबूझकर जिताया या हराया जा सकता है।

'ये झूठ की ऐसी सोन पपड़ी है जो एक परत पर दूसरी परत...'

यूपी

पश्चिम बंगाल सहित पांच राज्यों के चुनाव परिणाम सोमवार (4 मई) को आएंगे. इस बीच पश्चिम बंगाल में फाल्टा विधानसभा में दोबारा मतदान कराने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर करारा प्रहार किया है. उन्होंने उदहारण दिया कि जैसे सोन पापड़ी पर परत दर परत होती है उसी तरह बीजेपी भी झूठ की एक परत के ऊपर दूसरे झूठ की परत चढ़ाती है.

इस संबंध में अखिलेश यादव ने अपने एक्स हैंडल पर एक लंबा चौड़ा पोस्ट किया है, जिसमे उन्होंने बंगाल में चुनाव आयोग की

कार्यप्रणाली के साथ ही बीजेपी पर निशाना साधा है. यही नहीं उन्होंने पश्चिम बंगाल में एक बार फिर ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस की जीत का दावा किया है.

अखिलेश यादव का पोस्ट

सपा प्रमुख ने तंज कसते हुए लिखा- बीजेपी झूठ की सोन पपड़ी है! जो एक झूठ की परत पर, दूसरे झूठ की परत चढ़ाती है. बंगाल के फाल्टा निर्वाचन क्षेत्र में दुबारा चुनाव कराने का फैसला बता रहा है ।

कौंधियारा में दंपति की संदिग्ध मौत हत्या के बाद आत्महत्या की आशंका

अखंड भारत संदेश

कौंधियारा। थाना क्षेत्र के गढ़वा कला गांव में दंपति की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से सनसनी फैल गई। घर के अंदर पति का शव फांसी के फंदे से लटका मिला, जबकि पत्नी की मौत संदिग्ध हालात में हुई है। पुलिस प्रथम दृष्टया पति द्वारा पत्नी की हत्या के बाद आत्महत्या की आशंका जता रही है।

मृतकों की पहचान अनिल तिवारी (36) उर्फ बबुआन पुत्र स्व. तीरथ प्रसाद तिवारी और उनकी पत्नी पूर्णिमा के रूप में हुई है। शनिवार देर शाम दोनों के बीच कहासुनी की बात सामने आई है। रविवार सुबह जब दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों को संदेह हुआ। सूचना पर पहुंचे मृतका के भाई दिवाकर मिश्र ने जंगला तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां अनिल का शव फांसी से लटका मिला, जबकि पूर्णिमा अचेत अवस्था में पड़ी मिली, जिसकी बाद में मृत्यु हो गई।

मृतका पक्ष ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि दंपति के बीच लंबे समय से विवाद और मारपीट होती थी। चार दिन पूर्व थाने में शिकायत भी दी गई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। परिजनों ने आरोप लगाया कि पूर्णिमा को जहर देकर, गला दबाकर और सिर पर प्रहार कर हत्या की गई, जिसे आत्महत्या का रूप दिया गया।

मामले में मृतक अनिल का एक पुराना शिकायत पत्र भी सामने आया है, जिसमें उसने पत्नी को बहकाने और परिवार को धमकी दिए जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की थी।

घटना की सूचना पर एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए और दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। एसीपी के अनुसार प्रथम दृष्टया पति-पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद था और पति द्वारा पत्नी की हत्या के बाद आत्महत्या किए जाने की आशंका है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। गांव में शोक का माहौल है।

इलाहाबाद से प्रयागराज तक : अनुपम परिहार व वैभव मैनी ने शहर की समृद्ध विरासत का किया जीवंत चित्रण

प्रयागराज। सीनियर सिटीजन काउंसिल द्वारा सिविल लाइंस स्थित होटल रामा कॉन्टिनेंटल में ह्लप्रयागराज की छिपी हुई विरासतः संगम से परे की कहानियाँह्व विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में वैभव मैनी और अनुपम परिहार ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम की शुरूआत वंदे मातरम् की प्रस्तुति से हुई, जिसके बाद काउंसिल के अध्यक्ष राजीव महेश्वरी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। न्यायमूर्ति राजेश कुमार ने संगठन के नए सदस्यों का औपचारिक परिचय कराते हुए उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। अपने वक्तव्य में वैभव मैनी ने शहर के नाम के भाषाई विकास की यात्रा को विस्तार से प्रस्तुत किया– इलाहाबास से इलाहाबाद और फिर मुगल काल में अल्लाहबाद होते हुए अंततः पुनः प्रयागराज तक। उन्होंने एक आकर्षक सिनेमाई प्रस्तुति के माध्यम से शहर के प्रमुख स्थलों जैसे छह ऐतिहासिक घड़ियाँ, कंपनी बाग, अल्फ्रेड (आजाद) पार्क, संगम, मिंटो पार्क, छावनी क्षेत्र तथा इलाहाबाद विश्वविद्यालय को दर्शाया। उनकी प्रभावशाली और सहज प्रस्तुति को श्रोताओं ने खूब सराहा।

सह-वक्ता अनुपम परिहार ने संगम के आध्यात्मिक और वैज्ञानिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गंगा का जल सल्फर युक्त चट्टानों से होकर गुजरने और उसमें पाए जाने वाले लगभग 1200 प्रकार के बैक्टीरियोफेज के कारण शुद्ध बना रहता है, जो अन्य नदियों की तुलना में बैक्टीरिया के विकास को रोकते हैं। साथ ही उन्होंने इलाहाबाद किले के भीतर स्थित पातालपुरी मंदिर के ऐतिहासिक महत्व पर भी जानकारी दी।

कार्यक्रम का संचालन निशित जौहरी ने किया। अंत में दोनों वक्ताओं को काउंसिल की ओर से स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन स्क्वाड्रन लीडर वी.के. मित्तल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

इस अवसर पर सचिव नरेश रॉय, सुनील धवन, सतपाल गुलाटी, रामजी अग्रहरी, रविंद्र गुप्ता, वीरेंद्र सागर, दिनेश रस्तोगी तथा 92 वर्षीय वरिष्ठ सदस्य श्रीमती सरेश्ट मागो सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

बदलते मौसम में बढ़ा वायरल संक्रमण का खतरा सावधानी ही बचाव : डॉ. अमित यादव

सहसों। बदलते मौसम के साथ स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ने लगी हैं। ऐसे में लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की जरूरत है। यह बातें हरिओम चिकित्सालय, सहसों बाईपास पर रविवार को आयोजित जन स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम में डॉ. अमित यादव ने कही। उन्होंने बताया कि गर्मी, बरसात और सर्दी के दौरान तापमान में लगातार उतार-चढ़ाव होने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है। इसके चलते वायरल संक्रमण और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस मौसम में सर्दी, जुकाम, खांसी, गले में खराश, पेट दर्द, डायरिया, पेचिश, एलर्जी, मलेरिया और त्वचा पर लाल चकत्ते जैसी समस्याएं आम हो जाती हैं। डॉ. यादव ने लोगों को सलाह देते हुए कहा कि इस समय गुनगुना पानी पीना, ताजा व सुपाच्य भोजन करना और विटामिन-सी युक्त आहार लेना बेहद जरूरी है। साथ ही गर्म पेय पदार्थों का सेवन करना भी फायदेमंद होता है। उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर ही धूप में निकलें और बाहर जाते समय पूरी बांह के सूती कपड़े ही पहनें। उन्होंने नियमित रूप से सुबह या शाम 10 मिनट का नियमित व्यायाम करने, धूल-मिट्टी से बचने और बाजार में मिलने वाले केमिकल युक्त पेय पदार्थों से दूरी बनाए रखने की सलाह दी। इसके अलावा नींबू पानी का सेवन और भोजन से पहले हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोना भी जरूरी बताया। डॉ. यादव ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को सर्दी, खांसी या बुखार के लक्षण दिखाई दें तो खट्टी चीजों से परहेज करें और तुरंत किसी विशेषज्ञ चिकित्सक से उचित परामर्श लेकर ही दवा का सेवन करें। कार्यक्रम में नीरज पांडे, नागेंद्र, अजय, मोनू, कविता, सरिता देवी, पंकज, करन एवं सोहन केसरवानी सहित कई लोग उपस्थित रहे और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं।

मिट्टी खनन को लेकर भिड़े दो पक्ष, चली धुआंधार गोलियां

करछना। थाना क्षेत्र के अंतर्गत शनिवार की आधी रात मिट्टी खनन को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। विवाद में गंभीर रूप ले लिया और दोनों पक्षों में कई राउंड गोलियां चली। एक पक्ष के स्कॉर्पियो में कुल पांच गोलियां लगी हैं। घटना के बाद स्कॉर्पियो मालिक गायब है। दूसरे दिन सुबह करछना पुलिस को घटना की जानकारी मिली तो मौके पर एसीपी और पुलिस पहुंची। पुलिस ने स्कॉर्पियो को कब्जे में ले लिया और मामले की जांच कर रही है। कुलमई गांव में भट्ठे के लिए शनिवार की रात मिट्टी निकाली जा रही थी। जहां एक पक्ष पप्पू तिवारी निवासी संजई और दूसरा पक्ष सचिन पांडेय निवासी निदौरी कुशगढ़ को डेढ़-डेढ़ बीघे खेत से मिट्टी निकालकर भट्ठे पर पहुंचाना था। इसी बीच दोनों पक्षों में किसी मामले को लेकर विवाद हो गया। आधी रात को कई राउंड गोलियां चलने की बात सामने आ रही है। रविवार को सुबह पुलिस को जानकारी मिली तो मौके पर एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। वहां पर स्कॉर्पियो पर गोली मारने के निशान थे। एसीपी करछना ने कहा की प्रार्थना पत्र मिलने के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'मेरे बच्चे' के मंचन ने छुआ दर्शकों का मन, रिश्तों और नैतिकता के सवालों से कराया सामना

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शहर में प्रस्तुत नाटक 'मेरे बच्चे' ने अपने प्रभावशाली मंचन और सशक्त कथानक से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। बैकस्टेज संस्था की ओर से प्रवीण शेखर के निर्देशन में हुए इस नाटक में सामाजिक दायित्व और व्यक्तिगत स्वार्थ के बीच संघर्ष को मार्मिक ढंग से उकेरा गया।

प्रसिद्ध नाट्यकार आर्थर मिलर के चर्चित नाटक ह्यऑल माई संसह्न पर आधारित इस प्रस्तुति का हिंदी रूपांतरण प्रतिभा अग्रवाल ने किया है। कहानी के केंद्र में पिता-पुत्र का संबंध है, जिसके माध्यम से नैतिकता, अपराधबोध और प्रायश्चित जैसे गंभीर मुद्दों को सामने रखा गया है। द्वितीय विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि पर आधारित कथा में एक उद्योगपति द्वारा सेना को दोषपूर्ण सिलिंडर दिए जाने से 21 पायलटों की जान चली जाती है। वह अपने अपराध का आरोप अपने साझेदार पर डालकर बच निकलता है, लेकिन जब सच्चाई उसके बेटे के सामने आती है तो वह गहरे नैतिक संकट में पड़ जाता है। अंततः पिता अपराधबोध से टूटकर आत्महत्या कर लेता है।

भारतीय परिवेश में रूपांतरित इस नाटक की पृष्ठभूमि इलाहाबाद के आसपास के कस्बाई जीवन को दर्शाती है, जहां पात्रों के जरिए समाज की जटिलताओं को उभारा गया है। आज के दौर में भी इसकी प्रासंगिकता दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है।

मंचन के दौरान सतीश तिवारी, अमर सिंह और चाहत जायसवाल ने अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया। वहीं दिलीप श्रीवास्तव, उपासना तिवारी, कुमार सानू और वर्षा सिंह ने भी अपनी भूमिकाओं को प्रभावी ढंग से निभाया। संगीत अमर सिंह का रहा, जबकि प्रकाश व्यवस्था टोनी सिंह ने संभाली, जिसने प्रस्तुति को और जीवंत बनाया।

संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से तैयार इस नाटक का अगला मंचन 4 मई को शाम 7 बजे बैकस्टेज प्ले हाउस, जॉर्ज टाउन में किया जाएगा।

कार ने अधेड़ के पैर पर चढ़ाया पहिया

मांडा में काली माँ चौराहा के पास हुई घटना, व्यक्ति लहूलुहान

मांडा। इलाकाई थानान्तर्गत मांडा खास के काली माँ चौराहा के पास एक कार ने एक अधेड़ के पैर पर पहिया चढ़ा दिया। इस घटना में व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और उन्होंने कार चालक को रोक लिया। यह घटना रविवार शाम लगभग साढ़े छह बजे हुई। मांडा खास निवासी कल्लू कन्नौजिया (57) अपने घर लौट रहे थे। काली माँ चौराहा के दक्षिण तरफ मुख्य मार्ग पर पीछे से आ रही एक कार ने उनके पैर पर चढ़कर उन्हें घायल कर दिया। घटना के बाद कल्लू कन्नौजिया के परिजन उन्हें तत्काल इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मांडा ले गए।

समाचार लिखे जाने तक, पीड़ित के परिजनों द्वारा कार चालक के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की गई थी।

रवि प्रकाश सिंह बने फूलपुर के नए तहसीलदार, बोले जनहित और योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन पहली प्राथमिकता

सहसों। जिलाधिकारी प्रयागराज द्वारा किए गए प्रशासनिक फेरबदल के तहत हंडिया के तहसीलदार रविप्रकाश सिंह को फूलपुर का नया तहसीलदार नियुक्त किया गया है। उन्होंने पदभार ग्रहण करते ही अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन शुरू कर दिया है। रविप्रकाश सिंह को तेज-तर्रार और कर्मठ प्रशासनिक अधिकारियों में गिना जाता है। इससे पूर्व वे मेजा, करछना और हंडिया तहसीलों में अपनी सेवाएं दे चुके हैं, जहां उन्होंने अपने कुशल नेतृत्व और प्रशासनिक दक्षता का परिचय दिया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। साथ ही उन्होंने बताया कि वर्तमान में जनगणना से जुड़े कर्मचारियों का प्रशिक्षण चल रहा है, जिसके बाद जनगणना का कार्य शुरू किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण कार्य को सभी के सहयोग और समर्पण से सफलतापूर्वक पूरा किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि क्षेत्र की जनता की समस्याओं के समाधान के लिए वे हमेशा तत्पर रहेंगे और प्रशासन को आमजन के लिए और अधिक सुलभ व जवाबदेह बनाने का प्रयास करेंगे। उनकी इस नियुक्ति से प्रशंसकों एवं शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है।

भारतगंज में जनगणना 2027 का तीन दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

48 अध्यापक हुए प्रशिक्षित; उपस्थिति पर उठे सवाल

अखंड भारत संदेश

मांडा। भारतगंज में जनगणना 2027 के प्रथम चरण का तीन दिवसीय प्रशिक्षण रविवार को संपन्न हो गया। यह प्रशिक्षण नगर पंचायत भारतगंज के केवलपुर स्थित मोहम्मद यासीन इंटरमीडिएट कॉलेज में 1 से 3 मई तक आयोजित किया गया था। इसमें चार्ज स्तरीय अधिकारियों, सुपरवाइजरों और प्रगणकों को मकान सूचीकरण तथा गणना संबंधी बारीकियों की जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला। लाला रामलाल अग्रवाल सिरसा कॉलेज से आए ट्रेनर वीरेंद्र कुमार यादव और धीरेंद्र प्रताप सिंह ने प्रतिभागियों को विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया। उनके निर्देशन में कुल 48 अध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया।

हालांकि, प्रशिक्षण के दौरान उपस्थिति को लेकर सवाल भी उठे। पहले दिन 7 अध्यापक अनुपस्थित रहे, जबकि दूसरे दिन शनिवार को यह संख्या बढ़कर 9 हो गई। कुछ अध्यापक केवल औपचारिक उपस्थिति दर्ज कराकर प्रशिक्षण स्थल से चले गए, जिससे प्रशिक्षण की गंभीरता पर प्रश्नचिह्न लगा।

जनगणना चार्ज अधिकारी एवं ईओ बंटी कुमारी की देखरेख में यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। नगर पंचायत क्षेत्र को 13 वार्डों में विभाजित कर 37 ब्लॉकों में बांटा गया है। जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए 6 पर्यवेक्षकों की भी तैनाती की गई है। प्रशिक्षण के अंतिम दिन, ट्रेनरों ने प्रतिभागियों को घर-घर सर्वेक्षण, डेटा संकलन और जनगणना से जुड़े तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी। समापन के बाद शाम 5 बजे, ट्रेनर वीरेंद्र कुमार यादव और अध्यापकों ने भारतगंज नगर पंचायत में घर-घर जाकर लोगों को जनगणना 2027 के बारे में बताया और सहयोग की अपील की।

ट्रेनर वीरेंद्र कुमार यादव ने लोगों को विशेष निर्देश दिए कि जनगणना के लिए आने वाले अधिकारी या कर्मचारी द्वारा आधार, पैनकार्ड या बैंक पासबुक मांगने पर उन्हें ये दस्तावेज न दें, बल्कि जानकारी मौखिक रूप से ही साझा करें। उन्होंने यह भी बताया कि सटीक और त्रुटिरहित आंकड़ों के लिए प्रत्येक प्रगणक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य जनगणना 2027 को व्यवस्थित और सफल बनाना है।

विधायक ने जनता दर्शन में सुनी समस्याएं, दिए समाधान के निर्देश

अखंड भारत संदेश

कोरांव। भाजपा विधायक कोरांव राजमणि कोल ने इतवार को अपने निवास कार्यालय पर जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनीं।

प्रत्येक गांवों से आए फरियादी आमजन ग्राम प्रधान बीडीसी सदस्य आदि अपने अपने क्षेत्र की जन समस्याओं को अवगत कराया। ग्राम प्रधान अल्हवा अहद अहमद सिद्दीकी उर्फ शहजादे ने प्राथमिक विद्यालय अल्हवा की बाउंड्री वाल नष्ट हो जाने पर निर्माण कार्य कराए जाने की मांग की। विधायक ने बीएसए प्रयागराज से फोन पर वार्ता की और लिखित पत्र भी भेजा और अविलंब निर्मित कराए जाने हेतु निर्देशित किया। सीएमओ प्रयागराज को ग्राम प्रधान शहजादे के मांग पत्र पर नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र अल्हवा पर तत्काल बिजली कनेक्शन कराने अथवा पीएम सूर्य योजना कनेक्शन लगवाने हेतु निर्देशित किया। साथ ही अल्हवा में पक्की सड़क से मनरेगा पार्क होते हुए कोल बस्ती की निर्मित घटिया सड़क की मरम्मत कराने एवं दो सौ मीटर सड़क निर्माण कार्य को पूर्ण करने हेतु बैकुंठधाम तक काली सड़क निर्माण कार्य पूर्ण कराने का अधिशाषी अभियंता लोक निर्माण विभाग प्रयागराज को निर्देशित किया। इसी तरह भूमि प्रबंधक समिति अल्हवा द्वारा गरीब भूमि हीनों को दुरुपयोग हो रही नवीन परती बंजर जमीनों को लेखपाल की लापरवाही से पत्रावली स्वीकृति न हो पाने पर कार्यवाही करते हुए अविलंब पात्रों को पट्टा करने का निर्देश फोन द्वारा उप जिलाधिकारी कोरांव को दिया तथा जिलाधिकारी प्रयागराज को पत्र लिख कर व्हाट्सएप पर सेंड किया।

इसी तरह हिंछ लाल कोल बस्ती बैकुंठ धाम के मध्य दस केवीए का ट्रांसफार्मर तथा एक बिजली पोल एवं नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र अल्हवा के पास एक दस केवीए का ट्रांसफार्मर तथा एक बिजली पोल ग्राम प्रधान की मांग पर बिजली विभाग को लिख कर सूची बध कराया। किसी को पानी की समस्या तो किसी का भूमि विवाद तो किसी की अन्य समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को समुचित समाधान के निर्देश दिए।

घर के सामने कूड़ा फेंकने पर जमकर मारपीट, एफआईआर

अखंड भारत संदेश

सोरांव। इलाके के सराय लाल खातून उर्फ शिवगढ़ में दो सप्ताह पहले घर के सामने पूरा करकट तथा गोबर देखने को लेकर तो पक्षों में जमकर मारपीट हो गया था जिसमें एक पक्ष में दूसरे पक्ष को जमकर पिटाई कर दिए।

पीड़ित ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवा दिया है पुलिस जांच कर रही है।

मीरा देवी पत्नी महेंद्र कुमार ने सोराव थाने पर शिकायती पत्र देकर बताई की उसने परिवार सहित अपने घर पर बैठी थी तभी गांव के ही लाल चंद्र यादव तथा सुमन देवी ने घर के दरवाजे के सामने गोबर फेंकने आईं। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली गलौज करने लगे। शोर गुल सुनकर लाठी डंडा और धारदार हथियार लेकर अभिषेक कुमार यादव व कुमारी छाया भी आ गई। सभी लोग मिलकर लाठी डंडा और लोहे की रॉड से पीटने लगे। पीड़िता जान बचाने के लिए घर में घुस गई तो आरोप है कि आरोपियों ने घर में घुसकर मारपीट किया तथा घर में रखा सामान भी तोड़ फोड़ दिए पीड़िता ने 112 नंबर डालकर पुलिस बुलाई तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए। सोरांव पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ शनिवार को एफआईआर दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है।

प्रयागराज में गूंजा शौर्य और संस्कृति का स्वर, सेना के कार्यक्रम में जुटे दिग्गज

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। संगम नगरी के अरेल क्षेत्र में रविवार को भारतीय सेना के उत्तरी कमांड और केंद्रीय कमांड की ओर से ह्यसांस्कृतिक शौर्य संगमह्ल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उनके साथ थल सेना अध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी और प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी भी मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दिल्ली से प्रयागराज पहुंचे, जहां सेना के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने उनका भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान देश के प्रतिष्ठित कलाकारों को सम्मानित किया गया और सैन्य बैंड की प्रस्तुतियों ने देशभक्ति का माहौल बना दिया।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने कहा कि भारतीय सेना ह्यराष्ट्र प्रथमह्ल और ह्यस्वयं से पहले सेवाह्ल के सिद्धांत पर कार्य करती है। उन्होंने कहा कि सेना का शौर्य केवल युद्ध तक सीमित नहीं है, बल्कि प्राकृतिक आपदाओं और संकट के समय भी जवान सबसे पहले मदद के लिए आगे आते हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय सैनिक जहां देश की सीमाओं की रक्षा करते हैं, वहीं संकट की घड़ी में लोगों तक राहत सामग्री और जरूरी सहायता पहुंचाकर मानवता की मिसाल भी पेश करते हैं।

मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी ने कहा कि यह आयोजन भारतीय सेना के साहस और देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समर्पित है। उन्होंने कहा कि सेना की सतर्कता के कारण ही देश के नागरिक सुरक्षित जीवन जी पा रहे हैं।

कार्यक्रम में सेना की सांस्कृतिक परंपराओं और वीरता का अद्भुत संगम देखने को मिला। सैन्य बैंड और कलाकारों की प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। ह्यसांस्कृतिक शौर्य संगमह्ल के माध्यम से सेना के शौर्य और संस्कृति को एक मंच पर प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया, जिसे दर्शकों ने खूब सराहा।

एटीएम में गोंद लगाकर ठगी का प्रयास, युवक फरार

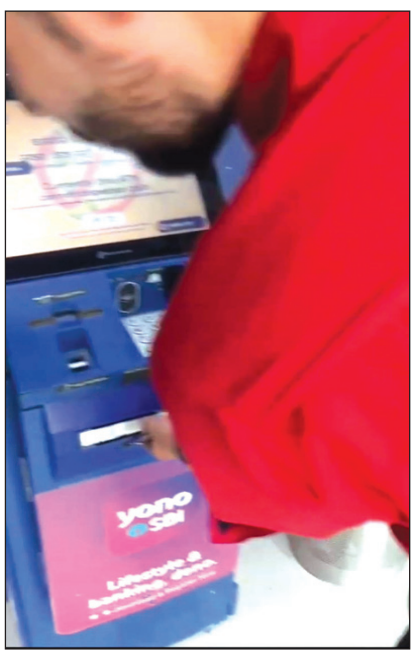

नैनी। नैनी क्षेत्र के अरैल मोड़ के पास एक एटीएम पर ठगी का मामला सामने आया। भुक्तभोगी अंबेडकर नगर निवासी मिथलेश शर्मा पुत्र माधोलाल शर्मा ने बताया कि वे एटीएम से पैसे निकालने गए थे। लेन-देन के दौरान उनके मोबाइल पर 2000 रुपये निकलने का संदेश तो आ गया लेकिन एटीएम से नकदी बाहर नहीं आई। शक होने पर उन्होंने मशीन की जांच की तो पाया कि एटीएम के कैश आउटलेट पर किसी ने प्लास्टिक में गोंद लगाकर उसे आंशिक रूप से बंद कर दिया था। जिससे पैसे बाहर नहीं निकल सके और अंदर ही फंस गए। घटना के समय एटीएम के बाहर एक युवक बाइक पर खड़ा था जो संदिग्ध रूप से भुक्तभोगी के बाहर आने का इंतजार कर रहा था। जब मिथलेश शर्मा को स्थिति पर संदेह हुआ और उन्होंने युवक को पकड़ने का प्रयास किया तो वह मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल के बाद लौट गई। स्थानीय लोगों में इस घटना के बाद चिंता का माहौल है। पुलिस ने नागरिकों से एटीएम का उपयोग करते समय सतर्क रहने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना देने की अपील की है। समाचार लिखे जाने तक भुक्तभोगी ने नैनी कोतवाली मे तहरीर नही दी।

प्रयागराज के चौक इलाके में बनेगी 2 अंडर ग्राउंड पार्किंग, 2200 वाहन खड़े हो सकेंगे, जाम से मिलेगा छुटकारा

प्रयागराज। शहर के पुराना इलाका चौक क्षेत्र में जाम की समस्या आने वाले दिनों में पूरी तरह से समाप्त हो जाएगी। इसके लिए नगर निगम की ओर से चौक के दो स्थानों पर अंडर ग्राउंड पार्किंग बनवाएगा। कोतवाली के सामने जहां मीना बाजार बना है उसके नीचे अंडर ग्राउंड पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। पार्किंग स्थल के ऊपर 300 से 400 दुकानों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए 50 से 60 करोड़ रुपये की धनराशि खर्च की जाएगी। सब कुछ सही रहा तो अक्टूबर से नवंबर के बीच पार्किंग बनाने का काम शुरू हो जाएगा। नगर निगम की दो वर्ष में अंडर ग्राउंड पार्किंग और दुकानों का निर्माण पूरा कराने की योजना है। चौक में बनने वाली अंडर ग्राउंड पार्किंग में 1000 से 1500 वाहन एक साथ खड़े किए जा सकेंगे। दूसरी अंडर ग्राउंड पार्किंग का निर्माण मोती पार्क के पास किया जाएगा। इस पार्किंग में 800 से एक हजार दो पहिया और चार पहिया वाहन खड़े किए जा सकेंगे।

नगर निगम की ओर से शहर में अलग-अलग स्थानों पर अंडर ग्राउंड पार्किंग बनाने की तैयारी चल रही है। जल्द ही चौक क्षेत्र में बनने वाली पार्किंग के लिए डीपीआर बनाया जाएगा। – दिनेश चंद्र सचान, मुख्य अभियंता नगर निगम

रुद्र महायज्ञ से मनवांछित फल की प्राप्ति : बैजनाथ जी महाराज

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी क्षेत्र के वार्ड नंबर 81 में पार्षद मयंक यादव के कार्यालय परिसर में आयोजित रुद्र महायज्ञ कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। इस अवसर पर बैजनाथ जी महाराज ने कहा कि रुद्र महायज्ञ के आयोजन से मनुष्य को मनवांछित फल की प्राप्ति होती है और जीवन सफल बनता है। महाराज जी ने अपने प्रवचन में बताया कि ऐसे धार्मिक अनुष्ठान न केवल व्यक्तिगत सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं बल्कि समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करते हैं। कार्यक्रम में मुख्य यजमान के रूप में रमेश नेगी, आर.के. शुक्ला एवं श्याम बिहारी तिवारी सहित अन्य श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से यज्ञ में आहुति देकर पुण्य लाभ प्राप्त किया। इस दौरान वरिष्ठ आचार्य मुकेश मिश्रा, श्याम नारायण द्विवेदी, पुष्कर द्विवेदी, विकास द्विवेदी, जितेन मिश्रा, दिनकर मिश्रा एवं दीपक मिश्रा सहित अन्य आचार्यों की उपस्थिति में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक रुद्र महायज्ञ अनुष्ठान निरंतर चलता रहा। कार्यक्रम में विद्या सिंह, सुरेखा, राखी, संगीता सिंह, संजय श्रीवास्तव, राजकुमार यादव, प्रदीप तिवारी, सुधीर प्रजापति एवं नीरज शर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

बैजनाथ जी महाराज ने कहा कि रुद्र महायज्ञ के आयोजन से मनुष्य को मनवांछित फल की प्राप्ति होती है और जीवन सफल बनता है

प्रयागराज के बहरिया में सड़क हादसे में अधिवक्ता की दर्दनाक मौत

प्रयागराज। गंगापार के बहरिया में सड़क हादसे में एक अधिवक्ता की दर्दनाक मौत हो गई। ग्राम पंचायत सरायगनी के मजरा गांव जादीपुर में शनिवार की देर रात लगभग दो बजे गिट्टी लदे डंपर ने एक अधिवक्ता को चपेट में ले लिया। डंपर के बंपर में बाइक समेत फंसे अधिवक्ता करीब 15 मीटर तक घसीटते चले गए। डंपर भी पलट गया।

राहगीरों की सूचना पर बहरिया पुलिस मौके पर पहुंची। करीब एक घंटे की कोशिश के बाद डंपर के बंपर में फंसे अधिवक्ता को जैसे-तैसे निकालकर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। पुलिस मुकदमा दर्ज कर डंपर चालक की तलाश कर रही है।

मऊआइमा थानांतर्गत के ग्राम पंचायत गमरहटा निवासी 37 वर्षीय अधिवक्ता शरद यादव शनिवार देर रात निमंत्रण में शामिल होकर वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही वह ग्राम पंचायत सरायगनी के मजरा गांव जादीपुर के सामने पहुंचे थे कि मोड़ पर सामने से डंपर आ गया। बाइक सवार शरद को जोरदार टक्कर मार दिया। बंपर में अधिवक्ता बाइक समेत फंस गए और करीब 15 मीटर तक घिसटते चले गए। इसके बाद डंपर भी पलट गया।

चालक डंपर से कूदकर भाग निकला। खबर पाकर बहरिया थाना प्रभारी मानवेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे। बंपर में फंसे अधिवक्ता को काफी कोशिश के बाद निकाला। हेलमेट लगाने की वजह से उनके सिर तो नहीं फटा, लेकिन शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट आई। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मैलहा ले गए। जहां हालत गंभीर होने पर डाक्टरों ने उन्हें एसआरएन अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। उन्हें यहां लाया गया।

डॉक्टरों की स्थिति काफी नाजुक बताई, जिस पर स्वजन एंबुलेंस से उन्हें लखनऊ स्थित अस्पताल ले जाने लगे, लेकिन ऊंचाहार के पास शरद यादव ने दम तोड़ दिया। उनकी मौत के बाद उनकी पत्नी सीता, दो पुत्र और एक पुत्री समेत परिवार के अन्य सदस्य रो-रोकर बेहाल हैं।

शाहपुर टौंस नदी के वाटर फाल युवक के डूबने से मचा हड़कंप गोताखोरों की मदद से तलाश जारी

अखंड भारत संदेश

मेजा। कोहड़ार पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सभा शाहपुर कला के टौंस नदी वाटर फाल में 22 वर्षीय दीपक निषाद पुत्र जोशी निषाद निवासी बिजौरा सिरसा के डूबने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।दीपक अपने छह मित्रों के साथ वाटर फाल में स्नान करने आया था तेज बहाव से वह गहरे पानी में डूब गया।सूचना पर कोहड़ार पुलिस चौकी प्रभारी अनुज राय मय फोर्स मौके पर पहुंचे और गोता खोरो द्वारा डूबे हुए युवक की तलाश जुट गए किंतु अभी तक डूबे दीपक का सुराग नहीं लग पाया है। स्थानीय लोगों ने बताया गर्मी आते ही टौंस नदी वाटर फाल में स्नान करने के लिए शैलानी दूर दराज से काफी मात्रा में आते हैं और स्नान के दौरान पानी की धारा तेज होने से अक्सर लोग बहकर गहरे पानी में डूब जाते हैं जिनकी खोज करने में काफी दिक्कत होती है।इस संबंध में कोहड़ार पुलिस चौकी प्रभारी अनुज राय ने बताया कि युवक की तलाश में गोता खोरों को लगाया गया है खोज की रही है।

शाहपुर टौंस नदी के वाटर फाल में डूबे युवक की खोजबीन में जुट गोताखोर और स्थानीय पुलिस

शिव मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा, हर हर महादेव से गूंजा जंघई

जंघई। मधईपुर, जंघई में नव निर्मित शिवालय में भूत भावन आदि देव महादेव शंकर भगवान की मूर्ति का अनावरण कार्यक्रम अन्नाभिषेक, जलाभिषेक एवं दुग्धाभिषेक एवं रविवार को नगर भ्रमण के साथ भव्य शोभायात्रा पूरे गांव में डीजे गाजे बाजे रथ के साथ निकाली गई, हर हर महादेव से पूरा क्षेत्र गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर मुख्य यजमान अशोक उपाध्याय, परिवार के अन्य सदस्य संतोष उपाध्याय, शिव उपाध्याय, राजेश उपाध्याय, अरविंद उपाध्याय, प्रमोद उपाध्याय, विकास उपाध्याय, विवेक उपाध्याय, विशाल, छोटू, साहिल, कुंवर, उत्सव, पंकज सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने प्रदेश अध्यक्ष के स्वाथ्य कामना हेतु किया पूजा-पाठ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मन्त्री अजय राय के अस्वस्थ होने व मेदान्ता हॉस्पिटल में भर्ती होने की सूचना पर उनके शीघ्र स्वास्थ लाभ और लम्बी उम्र की मंगलकामना के लिए ट्रेजरी चैराहा स्थित हनुमान मंदिर में एक भक्तिमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी एडवोकेट के कुशल नेतृत्व में एकत्रित हुए समस्त कांग्रेस कार्यकताओं ने हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। इसके पश्चात हवन, विधि-विधान से पूजन एवं आरती संपन्न कर जनप्रिय नेता की कुशलता की प्रार्थना की।

इस दौरान कांग्रेस के जिलाध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने प्रार्थना किया कि प्रदेश अध्यक्ष जल्द से जल्द पूर्णतः स्वस्थ होकर पुनः संगठन एवं जनसेवा के कार्यों में सक्रिय हों। जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि अजय राय सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि संघर्ष, साहस और जनसेवा की जीती-जागती मिसाल हैं। विपरीत परिस्थितियों में भी जिस मजबूती और निर्भीकता से उन्होंने जनता की आवाज बुलंद की है, वह हर कार्यकर्ता के लिए प्रेरणा है। उनके नेतृत्व में संगठन ने नई ऊर्जा और धार पाई है। हमें पूर्ण विश्वास है कि वे शीघ्र स्वस्थ होकर पहले से भी अधिक जोश और संकल्प के साथ जनता की लड़ाई को आगे बढ़ाएंगे।ह्व कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकताओं ने एक स्वर में उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की और कहा कि पूरा कांग्रेस परिवार इस समय उनके साथ खड़ा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष वेदान्त तिवारी जिला महासचिव अंजली उपाध्याय, कांग्रेस सेवादल के जिला अध्यक्ष महेंद्र शुक्ला शिक्षक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष काशी नारायण मिश्रा, जिला सचिव डॉ. अभय प्रताप सिंह जिला उपाध्यक्ष रामशिरोमणि वर्मा मनरेगा प्रभारी रविभूषण सिन्हा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष डॉ दीपक शुक्ला, जिला सचिव कृष्णा कान्त शुक्ल जिला प्रवक्ता सुरेश कुमार मिश्र जिला सचिव अशोक सिंह मुन्ना अनुसूचित जाति विभाग के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार सरोज,जिला उपाध्यक्ष करुण पांडेय जिला उपाध्यक्ष इन्द्रानंद तिवारी अंजनी कुमार पांडेय आदि मुख्य रूप से उपस्तिथ रहे।

बंजर जमीन पर लगे नीम के पेड़ को काट रहे ठेकेदार को ग्रामीणों ने भगाया

सूचना पर पहुंची पुलिस कर रही है मामले की जांच

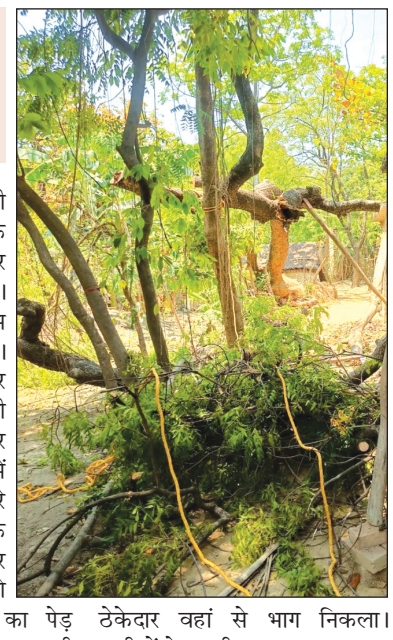

प्रतापगढ़। ग्राम सभा की बंजर जमीन पर लगे नीम के हरे पेड़ को काट रहे ठेकेदार को ग्रामीणों ने भगा दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के शेषपुर अठगवा गांव में दलित बस्ती के समीप ग्राम सभा की बंजर भूमि संख्या 465 है।जिसमें नीम आम, कटहल के हरे पेड़ है। इसमें लगे नीम के पेड़ को रामानुज ने ठेकेदार को बेंच दिया था।रविवार को उक्त ठेकेदार हरा नीम का पेड़ कटवाने लगा।इस बात की जानकारी जब ग्रामीणों को हुई तो उन्होंने ठेकेदार से पूछताछ की कैसे पेड़ काट रहे हो।इस दौरान कुछ देर बाद ठेकेदार वहां से भाग निकला। ग्रामीणों ने इसकी सूचना डायल 112 पुलिस के साथ ही पट्टी पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

न्यूज झरोखा

सद्गुरू दत्तात्रेय सेवा संस्थान ने आयोजित किया शरतब वितरण कार्यक्रम

प्रतापगढ़। सद्गुरू दत्तात्रेय सेवा संस्थान द्वारा चिलबिला स्थित महुली मंडी समिति के बगल शरबत वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राहगीरों को प्रचंड गर्मी से राहत दिलाना रहा। शरबत भंडारे में सदगुरु महाराज जी के भक्तों ने आने जाने वाले राहगीरों को शरबत पिलाने का सेवा कार्य किया। क्योंकि श्री सदगुरु महाराज जी का कहना है सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है इससे बड़ा कोई धर्म नहीं है। उपरोक्त कार्यक्रम समर्थ सदगुरू लक्ष्मीकांत तिवारी की देखरेख में संपन्न हुआ। सेवा कार्य में उपस्थित रहे जनसेवकों में राम लखन वर्मा, मनोज सिंह, ननके सिंह, संतोष तिवारी, नीरज तिवारी, डॉ राम सुंदर प्रजापति, विनय तिवारी, लल्लन तिवारी, गुलाब मिश्रा, कमलाकांत त्रिपाठी, तीर्थराज पांडे, संतोष पांडे, मंजू पांडे एव संस्था की महिला पुरुष सभी भक्त सेवा कार्य में उपस्थित रहे।

रोजगार की तलाश में निकला युवक पांच महीने से लापता

पट्टी। रोजगार की तलाश में घर से निकला युवक पिछले पांच महीनों से लापता है। परिजन उसकी तलाश कर रहे लेकिन अभीतक उसका कुछ पता नहीं चल सका। दिलीपपुर थाना क्षेत्र के नजियापुर गांव निवासी बंशीलाल का बेटा ललित कुमार 4 सितंबर को गांव के ही एक युवक के साथ काम की तलाश में मध्य प्रदेश गया था। परिजनों के मुताबिक उसे होटल में नौकरी दिलाने का झांसा दिया गया था। 4 दिसंबर को फोन पर सूचना मिली कि ललित होटल से अचानक गायब हो गया है। इसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं लग सका है। परिजनों का आरोप है कि साथ ले जाने वाला युवक भी अब कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे रहा है। परिवार ने अनहोनी की आशंका जताई है और बेटे की सकुशल बरामदगी की गुहार पुलिस से लगाई है। वहीं स्थानीय पुलिस इस मामले को दूसरे प्रदेश का बताकर कार्रवाई से बचती नजर आ रही है। मामले में पीड़ित पिता ने मुख्यमंत्री, डीजीपी समेत उच्चाधिकारियों से शिकायत कर बेटे को खोजने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

जेसीबी से कुआं तोड़ने का आरोप, विरोध पर दी धमकी एक पर मुकदमा

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के काशीपुर गांव में जमीन विवाद का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। पीड़ित ने आरोप लगाया है कि गांव के ही दबंग व्यक्ति द्वारा उसकी खेती योग्य जमीन पर जबरन कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। परहतखास गांव निवासी संतोष सिंह ने थानाध्यक्ष को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वह काशीपुर स्थित जमीन पर केयरटेकर की अनुमति से खेती का कार्य कर रहे हैं। आरोप है कि 2 मई 2026 की सुबह करीब 9 बजे ग्राम प्रधान पति राजेश कुमार गौतम जेसीबी मशीन लेकर मौके पर पहुंचे और जमीन के पास बने कुएं को तोड़ने लगे।पीड़ित का कहना है कि जब उन्होंने इसका विरोध किया तो आरोपितों ने उन्हें धमकाते हुए ह्यदेख लेनेह्व की बात कही। इतना ही नहीं, जमीन पर कब्जा करने की नीयत से वहां मूर्ति स्थापित करने का भी प्रयास किया जा रहा है।घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग की है। मामले में थाना अध्यक्ष राकेश चैरसिया ने बताया कि प्रार्थना पत्र के आधार पर जांच शुरू कर दी है और संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

कोर्ट की फटकार पर आधा दर्जन से अधिक के खिलाफ दलित उत्पीड़न का केस

प्रतापगढ़। कोर्ट की फटकार पर उदयपुर पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक आरोपियों के खिलाफ दलित उत्पीड़न तथा मारपीट व गाली गलौज एवं धमकी को लेकर केस दर्ज किया है। उदयपुर थाना क्षेत्र के सेमरा निवासी नीलम सरोज पत्नी महेश सरोज ने कोर्ट से फरियाद की कि बीती पचीस फरवरी को आरोपियों द्वारा नाली के विवाद को लेकर उसे तथा परिवार के सदस्यों को गाली गलौज के साथ लाठी डंडों से मारपीट कर चोटहिल कर दिया। आरोपियों ने पीड़िता को जातिसूचक गालियां भी दी। पीड़िता ने कोर्ट में की गयी फरियाद में कहा है कि पुलिस ने उसके विपक्षियों की तरफ से तहरीर पर एक तरफा मुकदमा दर्ज किया गया है। अफसरों से शिकायत करने के बावजूद उदयपुर पुलिस ने जांच के नाम पर पीड़िता की तहरीर पर केस नहीं दर्ज किया। कोर्ट की फटकार पर उदयपुर पुलिस ने गांव के बृजेश यादव पुत्र बालकिशन, सुनील यादव पुत्र सुखराम, बालगोविन्द पुत्र शिवमंगल यादव, पंकज यादव पुत्र चन्द्रेश यादव, श्यामा पत्नी लालजी, पिंकी व निक्की पुत्रीगण राजकुमार यादव, बिट्टन यादव पत्नी राजकुमार के खिलाफ गम्भीर धाराओं में केस दर्ज किया है।

चोरी के माल समेत अन्तर्जनपदीय बदमाशों को दबोचा, गये जेल

प्रतापगढ़। लालगंज कोतवाली पुलिस ने चोरी के माल समेत पांच अर्न्तजनपदीय बदमाशों को दबोचने में सफलता ली है। एसपी दीपक भूकर के अपराध नियंत्रण अभियान के तहत लालगंज के प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार के दिशा निर्देश के तहत पुलिस टीम ने प्रयागराज तथा जौनपुर और कौशाम्बी के बदमाशों के साथ जिले के दो बदमाशों को धर दबोचा है। दरोगा बनवारी लाल पाल व मिथलेश चैरसिया तथा महिला उपनिरीक्षक दीपिका सिंह के साथ पुलिस टीम ने चार बदमाशों पर भदारी कला जंगल के पास से हिरासत में लिया। वहीं एक अभियुक्ता को पुलिस टीम ने उसके घर से हिरासत में लिया। पकड़े गये बदमाशों के पास से पुलिस टीम ने सोने की गलाई गयी धातु के साथ चोरी के पैसे से बदमाशों द्वारा खरीदे गये आईफोन व एक बिना नम्बर की बाइक भी बरामद किया है। पूछताछ के बाद प्रतापगढ़ के महेशगंज थाना के ग्राम धोनू का पुरवा निवासी सौरभ मिश्रा पुत्र रवीन्द्र मिश्र तथा पूरे छेमी की एक अभियुक्ता व प्रयागराज जिले के करैली थाना के न्याय का पुरवा निवासी आशीष केसरवानी पुत्र चन्द्रशेखर, जौनपुर जिले के थाना मुगरा बादशाहपुर के मधुपुर निवासी शुभम मिश्रा पुत्र बृजेश कुमार तथा कौशाम्बी जिले के थाना तरवा के लोही निवासी अमरजीत प्रजापति पुत्र कामता प्रसाद को चोरी के आरोप में पुलिस ने जेल भेज दिया। बता दें बीती पन्द्रह अप्रैल की रात ग्राम छेमी पूरे नोती में पीड़िता के घर से बदमाशों ने दरवाजे का ताला तोड़कर जेवरात व बर्तन तथा टीवी चोरी कर लिया था। पुलिस द्वारा पीड़िता की तहरीर पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया गया। चोरी की घटना के त्वरित खुलासे को लेकर एएसपी पश्चिमी बृजनन्दन राय तथा लालगंज सीओ आशुतोष मिश्रा ने प्रभारी निरीक्षक आलोक समेत पुलिस टीम की सराहना की है।

प्रमोद तिवारी की जम्मूकश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर से हुयी शिष्टाचार भेंट

राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता ने पहलगाम आतंकी हमले में निर्दोष शहीद भारतीयों को अर्पित की श्रद्धांजलि

अखंड भारत संदेश

लालगंज। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी की जम्मू कश्मीर के लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा से शनिवार की देर शाम शिष्टाचार भेंट हुयी। केन्द्रीय वित्त मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक में शामिल होने जम्मू कश्मीर दौरे पर पहुंचे राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी एवं उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के बीच हुयी भेंट वार्ता में आतंकवाद के खिलाफ राष्ट्रीय एकजुटता पर जोर दिया गया। अपनी छोटी बेटी प्रो. डॉ. विजयश्री सोना के साथ राजभवन पहुंचे सांसद प्रमोद तिवारी व उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के बीच करीब पैंतालीस मिनट की गर्मजोशी के साथ हुई लम्बी भेंट वार्ता में अहम राष्ट्रीय मसलों पर द्विपक्षीय चर्चा भी हुयी। भेंट वार्ता के दौरान सांसद प्रमोद तिवारी ने आपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के अदम्य साहस तथा पराक्रम व शौर्य के साथ साथ जम्मू कश्मीर के लोगों की राष्ट्रीयता परक एक जुटता को भी जमकर सराहा। वहीं लेफ्टिनेंट गवर्नर मनोज सिन्हा ने सांसद प्रमोद तिवारी के साथ अपने पुराने बेहतर संबंधों की यादगार को साझा करते हुये उनके संसदीय एवं विधायी ज्ञान की प्रशंसा भी की। वहीं सांसद प्रमोद तिवारी ने पहलगाम की बैसरन घाटी पहुंचकर पिछले साल अप्रैल में आतंकवादियों के हमले में निर्दोष शहीद भारतीयों के प्रति अपनी श्रद्धांजलि भी अर्पित की। श्रीनगर में सांसद प्रमोद तिवारी रविवार को केन्द्रीय वित्त मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक में भी शामिल हुये। बैठक में उन्होंने राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाये जाने को लेकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी समिति को सौंपे। यह जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञान प्रकाश शुक्ल ने जारी विज्ञप्ति में दी है।

कन्हैया की लीलाओं में जीवन के सुमंगल का होता है मार्ग प्रशस्त : धीरेन्द्रपाल

प्रतापगढ़। बेलहा के समीप हिरउ का पुरवा में हो रही श्रीमद् भागवत कथा में रविवार को भगवान श्रीकृष्ण के लोकावतार के मंगल पर जुड़ी कथाओं को सुन श्रद्धालु भावविभोर हुये दिखे। कथाव्यास छोटी काशी राजातारा से पधारे आचार्य धीरेन्द्रपाल कृष्ण त्रिपाठी जी ने बताया कि बाल्यावस्था में ही भगवान श्रीकृष्ण के हाथों राक्षसी प्रवृत्तियों का विनाश होने लगा। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की इन लीलाओं को देखसुन पृथ्वी पर सुख शान्ति के मंगल मार्ग का शुभ संकेत भी मिलने लगा। आचार्य धीरेन्द्र जी ने बताया कि कन्हैया का गो माता के प्रति प्रेम की लीला हमें जीव के प्रति दया और संरक्षण का भाव समझाया करती है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का माखन प्रेम ममता और मातृत्व को सम्मान का भाव लिये हुये है। कथा व्यास ने द्वारिकाधीश की उपासना को जीवन के भूले बिसरे पाप से मुक्ति का सबसे सुगम उपाय बताया। उन्होंने कहा कि द्वारिकाधीश के जप में मनुष्य को स्वतः पाप से मुक्ति मिल जाया करती है। कथा के दौरान श्रीराधे संकीर्तन में भी श्रद्धालुओं को मगन देखा गया। वहीं आयोजक रामदुलारे यादव ने श्रद्धालुओं के साथ कथाव्यास को सम्मानित भी किया। इस मौके पर इं. अतुल शुक्ला, पप्पू तिवारी, राजू सिंह, रंजन सिंह, अभिनव शुक्ला, महेन्द्र पाल तिवारी, संगम लाल दुबे, ऋषभ तिवारी, राजाराम यादव, श्याम नारायण तिवारी, विजय यादव, केशवदत्त पाण्डेय, आचार्य पवन द्विवेदी, रामदेव यादव, विपिन यादव, मिथलेश यादव आदि मौजूद रहे।

फर्जी बैनामा कर कब्जे की कोशिश, विरोध पर जान से मारने की दी धमकी

पट्टी। जमीन विवाद का एक गंभीर मामला सामने आया है, जहां फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया गया है। पीड़ित पक्ष ने रविवार को पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। थाना आसपुर देवसरा क्षेत्र के सोनपुरा गांव निवासी पंकज उपाध्याय का आरोप है कि कुछ लोगों ने आपराधिक साजिश के तहत उसकी पुस्तैनी आबादी की भूमि (गाटा संख्या 132) का फर्जी बैनामा तैयार कर लिया। यह बैनामा वर्ष 2021 में कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर कराया गया। मामले की जानकारी होने पर पीड़ित पक्ष ने न्यायालय में वाद दाखिल किया, जिसकी सुनवाई चल रही है और अगली तारीख 05 मई 2026 निर्धारित है। आरोप है कि 10 अप्रैल 2026 की सुबह करीब 10 बजे, विपक्षी पक्ष करीब 30 अज्ञात लोगों के साथ लाठी-डंडों से लैस होकर मौके पर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद जबरन जमीन पर निर्माण कार्य शुरू करने की कोशिश की गई। पीड़ित ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी, फजीर्वाड़ा, मारपीट और धमकी के तहत मुकदमा दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मामले में थाना अध्यक्ष राकेश चैरसिया ने बताया कि शिकायती पत्र प्राप्त है मामले की जांच कराई जा रही है सत्यता मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

गुमशुदा महिला को पुलिस ने 11 दिन बाद किया बरामद

अखंड भारत संदेश

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना पुलिस की तत्परता से क्षेत्र की एक गुमशुदा महिला को 11 दिन बाद सकुशल बरामद कर लिया गया। महिला के मिलने से परिजनों ने राहत की सांस ली है। जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र के रसूलपुर हैदरपुर गांव निवासी 65 वर्षीय कमलेश सिंह, पत्नी स्वर्गीय सभाजीत सिंह, 19 अप्रैल 2026 को अचानक लापता हो गई थीं। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर मामले की जांच शुरू की।

पुलिस टीम ने सक्रियता दिखाते हुए संभावित स्थानों पर लगातार तलाश की। इसी क्रम में महिला को जनपद जौनपुर के डोभी नारायनपुर क्षेत्र से सकुशल बरामद कर लिया गया। रविवार की शाम परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। थाना प्रभारी राकेश कुमार चैरसिया के निर्देशन में उपनिरीक्षक सचिन पटेल व उपनिरीक्षक चन्द्र जीत सिंह की इस कार्रवाई में अहम भूमिका रही।महिला के सकुशल मिलने पर परिजनों ने पुलिस टीम का आभार जताया है, वहीं क्षेत्र में पुलिस की कार्यशैली की सराहना हो रही है।

किशोरी के साथ मारपीट को लेकर दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा

प्रतापगढ़। बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों द्वारा किशोरी को धक्का देकर घर के बगल के टैंक में गिरा देने को लेकर पुलिस ने केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पूरे वंशी निवासी विमलचन्द्र मिश्र पुत्र स्व. राममनोहर मिश्रा ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि उसकी पन्द्रह वर्षीया पुत्री दो मई को अपनी मां के साथ सो रही थी। सुबह करीब साढ़े चार बजे उसकी पुत्री विस्तर पर नहीं दिखी तब परिजन परेशान हो उठे। इस बीच ग्रामीणों ने बताया कि घर के बगल बने टैंक से आवाज आ रही है। वहां जाने पर किशोरी टैंक के अन्दर रो रही थी। घायल अवस्था में किशोरी को ग्रामीणों की मदद से परिजनों ने टैंक से बाहर निकाला। पीड़िता ने बताया कि वह शौच के लिये घर के बाहर निकली तभी बाइक सवार दो अज्ञात लोगों ने उसके साथ मारपीट व गाली गलौज करते हुये धक्का देकर टैंक में गिरा दिया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने अज्ञात दो बदमाशों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

वाटरमेलन डे का हुआ आयोजन, नौनिहालों ने सीखा फलों का महत्व

लाल-हरे रंगों में मुस्कुराए नौनिहाल 'वाटरमेलन डे' पर दिया सेहतमंद जीवन का मीठा संदेश

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। वी. एस. मेमोरियल पब्लिक स्कूल में प्ले ग्रुप और नर्सरी कक्षा के नन्हें-मुन्ने बच्चों के लिए शनिवार को ह्यवाटरमेलन डेह्व का विशेष एवं आकर्षक आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर रंग-बिरंगे परिधानों और मासूम मुस्कानों से सराबोर दिखाई दिया। कार्यक्रम के दौरान नौनिहालों ने तरबूज की मनमोहक वेशभूषा धारण कर उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने अनोखे अंदाज में फलों के महत्व को दशार्या। छोटे-छोटे बच्चों की सजीव प्रस्तुतियों और आकर्षक रूप ने सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर बच्चों को बताया गया कि तरबूज में लगभग 92 प्रतिशत पानी होता है, जो गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडा रखने के साथ-साथ हाइड्रेटेड बनाए रखने में सहायक होता है। कार्यक्रम में वामिका यदुवीर, शिवम सिंह, अव्यांश रावत, ओमेंद्र देव वर्मा, दिव्यांश कुमार, अदिति पटवा, वेदिका चैधरी अपरना शनवी सिंह, नित्या, रघुश्रेष्ठ प्रताप सिंह, वार्तिका सिंह, आरव यादव, कुशाग्र सिंह, सात्विक तिवारी, श्रीनय सिंह, पीहू सिंह, विवान चतुवेर्दी आदिश्री, योगेश्वर सिद्धि तिवारी अयांश सिंह, अर्शवेन्द्र युवराज गुप्ता, निहारिका सिंह, शाम्भवी श्रीवास्तव, अन्वित यादव आदि बच्चों ने प्रतिभाग कर ग्रीष्मकाल के सबसे पसंदीदा फल का आनंद लिया और उसके महत्व को समझा। शिक्षिका सुहानी ने बच्चों को तरबूज और खरबूजे जैसे मौसमी फलों के लाभ बताते हुए उन्हें अपने दैनिक आहार में शामिल करने की प्रेरणा दी। विद्यालय के डायरेक्टर राकेश सिंह एवं अलका सिंह ने अभिभावकों से आग्रह करते हुए कहा कि बच्चों के बेहतर शारीरिक और मानसिक विकास के लिए मौसमी फलों का सेवन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि फल न केवल शरीर को पोषण देते हैं, बल्कि मस्तिष्क के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के व्यवस्थापक धीरेंद्र कुमार सिंह, प्रधानाचार्या सुनीता एवं समस्त शिक्षिकाएं उपस्थित रही।

तालाब किनारे मिट्टी निकाल रही महिलाओं पर ढहा मिट्टी का टीला, माँ-बेटी सहित 3 महिलाओं की मौत

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के चक थामा गांव में रविवार सुबह घर की लिपाई पुताई के लिए मिट्टी के टीला से मिट्टी निकाल रही दजर्नों महिलाएं अचानक मिट्टी का टीला भरभरा कर गिर जाने से मिट्टी के नीचे दब गईं दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर सैकड़ो ग्रामीण पहुंच गए और बचाव एवं राहत कार्य में लग गए मिट्टी हटाकर दबी महिलाओं को बाहर निकाला गया इस हादसे में मां-बेटी समेत 3 महिलाओं की मौके पर ददर्नाक मौत हो गई और जबकि कई महिलाएं इस दुर्घटना में घायल है दुर्घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे लोगों ने मामले की सूचना पुलिस एंबुलेंस और प्रशासनिक अधिकारियों को दी मौके पर पहुंची एंबुलेंस के जरिए घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंचाया गया मौके पर पहुंची पुलिस ने महिलाओं के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी मिलते ही डीएम एसपी भी घायल महिलाओं का हाल-चाल लेने जिला अस्पताल पहुंचे हैं। जानकारी के मुताबिक मंझनपुर तहसील क्षेत्र के चक थामा गांव में रविवार सुबह घर की लिपाई पुताई के लिए गीता देवी अपनी बेटी अंकिता उर्फ बिट्टी और बेटे अंकित को लेकर गांव की तमाम महिलाएं उत्तरा देवी जितिया सहित तमाम महिलाएं मिट्टी के टीले से मिट्टी निकालने गई थी मिट्टी निकालने के दौरान अचानक मिट्टी का टीला भरभरा कर गिर गया इससे सभी महिलाएं मिट्टी के नीचे दब गई मौके पर कोहराम मच गया दुर्घटना देखकर आसपास के सैकड़ो लोग मौके पर पहुंचे मामले की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई मौके पर पहुंचे लोगों ने मिट्टी हटा करके दबी महिलाओं को बाहर निकला तब तक देर हो चुकी थी और मां बेटी सहित

मिट्टी का टीला भरभरा कर गिर जाने से कई घायल महिलाओं का जिला अस्पताल में चल रहा है इलाज

तीन महिलाओं की मौत हो गई इस दुर्घटना में उत्तरा देवी उम्र 40 साल पत्नी नोखेलाल वा गीता देवी उम्र 42 साल पत्नी लल्लू और उसकी बेटी अंकिता उर्फ बिट्टी देवी उम्र 8 वर्ष पुत्री लल्लू की मौके पर तड़प तड़प कर ददर्नाक मौत हो गई है मिट्टी में दबी महिलाओं में जितिया पत्नी जीत लाल और अंकित पुत्र लल्लू सहित कई लोगों को ग्रामीणों ने मिट्टी हटाकर बाहर निकाला है और घायल महिलाओं बच्चे को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया हादसे की जानकारी थाना पुलिस एंबुलेंस और तहसील प्रशासन को दी गई है जानकारी मिलने के बाद पुलिस व प्रशासन मौके पर पहुंच गई है राहत-बचाव कार्य जारी है मृतक महिलाओं के शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है अचानक हुई इस ददर्नाक घटना के बाद घर परिवार में कोहराम मचा है पूरे गांव में शोक की लहर है।

मदद की बात करने वाले जातिवादी नेता तीन मौत के बाद नहीं पहुंचे गांव

कौशांबी। गरीब कमजोर मजलूम की मदद कर राजनीति करने वाले नेता जनप्रतिनिधि तीन मौत के बाद गांव नही पहुंचे है जिससे नेताओं की जातिवादी मानसिकता की सोच का अंदाजा लगाया जा सकता है छोटे-छोटे मामले में राजनीति चमकाने वाले सांसद विधायक और अन्य नेता भी पीड़ित परिवार का हाल लेने और उनको राहत मदद और सांत्वना देने गांव नही पहुंचे है जिनकी चर्चा गांव के लोगों के बीच हो रही थी ना वतर्मान विधायक पहुंचे ना पूर्व विधायक पहुंचे ना वतर्मान सांसद पहुंचे ना पूर्व सांसद पहुंचे यहां तक की डिप्टी सीएम या उनके प्रतिनिधि भी इस ददर्नाक हादसे के बाद गांव नही पहुंच सके है।

गरीबों को पीएम आवास दिए जाने की पारदर्शिता पर उठे सवाल

कौशांबी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के चक थामा गांव में रविवार को तालाब से मिट्टी की खुदाई कर रही महिलाओं के ऊपर मिट्टी का टीला गिर जाने के बाद मिट्टी में दबकर तीन महिलाओं की मौत और कई महिलाओं के घायल होने के बाद प्रधानमंत्री आवास योजना की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो गए हैं इन गरीब महिलाओं को अधिकारियों ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दे दिया होता तो इन गरीब महिलाओं के पास पक्के घर होते और कच्चे घर की लिपाई पुताई के लिए तालाब में मिट्टी निकालने नही जाना पड़ता और मिट्टी निकालने महिलाएं नही जाती तो मिट्टी के टीले में दबाकर 3 महिलाओं की मौत नही होती तीन महिलाओं की मिट्टी में दबकर मौत होने के बाद पूरी प्रधानमंत्री आवास योजना सवालों के घेरे में खड़ी हो गई और पीएम आवास योजना से जुड़े अधिकारियों की ईमानदारी पर सवाल खड़े हो गए हैं।

ग्राम चक थांबा हादसे के पीड़ितों को 12 घंटे के भीतर मिली 12 लाख की सहायता राशि

कौशाम्बी प्रशासन ने दिखाई संवेदनशीलता

अखंड भारत संदेश

नगर पालिका अध्यक्ष ने मिट्टी का टीला ढहने के पीड़ित परिजनों से मिल कर बांटा दर्द, पीड़ित परिवार को अध्यक्ष ने दी आर्थिक सहायता

कौशाम्बी। मंझनपुर तहसील के चक थांबा गाँव में रविवार की सुबह एक अत्यंत दुखद हादसा हुआ,जिसमें मिट्टी खोदने के दौरान मां बेटी सहित तीन महिलाओं का निधन हो गया।इस घटना की सूचना पर नगर पालिका परिषद मंझनपुर के अध्यक्ष बीरेंद्र सरोज फौजी ने मौके पर पहुँचकर शोक संतृप्त परिवार से मुलाकात की तथा अंतिम संस्कार में सम्मिलित होकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित किया।इसके साथ ही इस हादसे में घायल हुई जीत लाल सरोज की पत्नी जितिया देवी के परिजनों से भी मिलकर उनका हालचाल जाना और दोनों परिवारों को यथासंभव आर्थिक सहायता प्रदान किया।नगर पालिका अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सरोज फौजी ने आश्वासन दिया कि पीड़ित परिवारों को हर संभव सरकारी सहायता दिलाई जाएगी इस मौके पर भाजपा पूर्व मण्डल अध्यक्ष महेश लोधी रतन पहलवान सहित तमाम ग्रामवासी उपस्थित रहे।

लाख की धनराशि सीधे हस्तांतरित कर दी गई है। इस दुखद घड़ी में जिलाधिकारी ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रशासन आपदा की घड़ी में पीड़ितों के साथ खड़ा है और भविष्य में भी ऐसी किसी भी घटना में इसी तरह की त्वरित और पारदशी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।जनपद प्रशासन की इस अभूतपूर्व तत्परता की स्थानीय स्तर पर सराहना की जा रही है कि घटना के दिन ही सूर्यास्त से पहले पीड़ितों को आर्थिक संबल प्रदान कर दिया गया।

कारखास सिपाहियों का थाने से नहीं हुआ स्थानांतरण

कौशांबी। दो दिन पहले पुलिस अधीक्षक ने जिले के विभिन्न थाना से 224 पुलिसकमिर्यों के स्थानांतरण की सूची जारी की है लेकिन सूची में तमाम मठाधीश कारखाना सिपाहियों का नाम छूट गया है सूत्रों के मुताबिक महेवा घाट में तैनात कारखास तीन कांस्टेबल महेवाघाट थाना में वर्षो से तैनात हैं पुलिस सूत्रों की माने तो यह तीनों सिपाही थाने के कारखास हैं दिन रात वसूली करने का आरोप लगातार सिपाहियों पर लग रहा है आम जनता इनके आचरण से परेशान है लेकिन मठाधीश सिपाहियों का स्थानांतरण नहीं हुआ है जबकि इनकी तमाम शिकायतें लगातार ग्रामीणों द्वारा पुलिस अधिकारियों से की जाती है इसी तरह अन्य थाना और पुलिस चौकियों में भी तैनात मठाधीश सिपाहियों का स्थानांतरण नहीं हो सका है लंबे समय से थाने में तैनात मठाधीश सिपाहियों का फिर से स्थानांतरण किए जाने की मांग इलाके के लोगों ने पुलिस अधीक्षक से की है।

बसुहार में गाटा संख्या 1465 मि० व 1472 की ग्राम सभा भूमि पर वर्षों से फल-फूल रहा अवैध प्लाटिंग का कारोबार

राजस्व विभाग की चुप्पी से उठ रहे बड़े सवाल

कौशांबी। तहसील चायल क्षेत्र के ग्राम सभा बसुहार में गाटा संख्या 1465 मि० व 1472 की ग्राम समाज की भूमि पर लंबे समय से चल रहे अवैध कब्जे और प्लाटिंग के कारोबार को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। आरोप है कि भू-माफियाओं ने ग्राम सभा की बेशकीमती जमीन को अपनी कमाई का जरिया बना लिया है और वर्षो से सरकारी भूमि को छोटे-छोटे प्लाटों में काटकर बेचने का कार्य खुलेआम किया जा रहा है। हैरानी की बात यह है कि इतने बड़े स्तर पर हो रहे अवैध कब्जों और निर्माण कार्यों के बावजूद राजस्व विभाग अब तक प्रभावी कारवाई नहीं कर पाया है।ग्रामीणों का कहना है कि गांव की ग्राम समाज की भूमि,विशेष रूप से गाटा संख्या 1465 मि० व 1472,पर धीरे-धीरे कब्जा कर पहले अस्थायी निर्माण किए गए और बाद में उसी भूमि को प्लाटिंग कर बेचने का काम शुरू कर दिया गया। समय बीतने के साथ यह अवैध कारोबार लगातार बढ़ता गया और अब स्थिति यह हो चुकी है कि ग्राम सभा की काफी भूमि पर अवैध निर्माण खड़े हो चुके हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई भू-माफिया मिलकर संगठित तरीके से इस अवैध कारोबार को चला रहे हैं और प्रशासनिक कारवाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है।मामले को लेकर सबसे ज्यादा सवाल हल्का लेखपाल की भूमिका पर उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्रीय लेखपाल को गाटा संख्या 1465 मि० व 1472 की जमीन की स्थिति,कब्जों और प्लाटिंग की पूरी जानकारी होने के बावजूद कोई कठोर कारवाई नहीं की गई। लोगों के बीच यह चर्चा आम है कि बिना स्थानीय राजस्व कर्मियों की जानकारी और संरक्षण के ग्राम सभा की जमीन पर इतने बड़े पैमाने पर प्लाटिंग संभव नहीं हो सकती। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद हल्का लेखपाल द्वारा मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया,जिसके कारण भू-माफियाओं के हौसले लगातार बढ़ते गए।बताया जा रहा है कि कई बार प्रशासनिक अधिकारियों से शिकायत कर ग्राम सभा की भूमि की पैमाइश और अवैध कब्जा हटाने की मांग की गई। कुछ मौकों पर राजस्व विभाग की टीम गांव पहुंची भी,लेकिन कारवाई केवल निरीक्षण और कागजी प्रक्रिया तक सीमित रही। ग्रामीणों का आरोप है कि मौके पर न तो स्थायी रूप से निर्माण कार्य रुकवाए गए और न ही अवैध कब्जाधारकों के खिलाफ कठोर कानूनी कारवाई की गई।ग्रामवासियों का कहना है कि ग्राम समाज की जमीन गांव की सार्वजनिक संपत्ति होती है,जिसका उपयोग भविष्य में स्कूल,सड़क, पंचायत भवन,खेल मैदान या अन्य जनहित कार्यों के लिए किया जा सकता है। लेकिन गाटा संख्या 1465 मि० व 1472 पर लगातार हो रहे कब्जों और प्लाटिंग के कारण ग्राम सभा की भूमि तेजी से समाप्त होती जा रही है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए,संबंधित राजस्व कर्मियों की भूमिका की जांच हो तथा अवैध कब्जा करने वाले भू-माफियाओं के खिलाफ गैंगस्टर सहित कठोर कारवाई की जाए।ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द प्रभावी कारवाई नहीं हुई तो ग्राम सभा की बची हुई भूमि भी पूरी तरह भू-माफियाओं के कब्जे में चली जाएगी।

सांसद ने मृतक भारत यादव के परिजनों को बुलाकर सौंपा पार्टी द्वारा भेजा गया दो लाख रुपए आर्थिक सहायता का चेक

कौशाम्बी। समाजवादी पार्टी के सांसद पुष्पेंद्र सरोज ने मृतक भारत यादव के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की। समाजवादी पाटी कार्यालय बुलाकर सांसद ने पीड़ित परिवार को 2 लाख रुपये का चेक सौंपा। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह मदद समाजवादी पाटी के राष्टीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की ओर से दी गई है, ताकि कठिन समय में परिवार को सहारा मिल सके। वही सांसद पुष्पेंद्र सरोज ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कारवाई की मांग भी दोहराई है। गौरतलब है कि 19 अप्रैल को अड़हरा गांव में प्रेम विवाह का करने पर भारत यादव की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी,जिससे इलाके में सनसनी फैल गई थी। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कारवाई करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

पूरे प्रदेश की विधानसभा सीटों पर प्रत्याशी उतारेगी भीम आर्मी आजाद समाज पाटी : प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार चित्तौड़

चायल विधानसभा क्षेत्र से डॉक्टर निसार अहमद सिद्दकी को घोषित किया प्रत्याशी

तिल्हापुर। कौशाम्बी चायल क्षेत्र के मखाऊपुर में भीम आमी आजाद समाज पाटी कांशीराम का एक बड़ा सम्मेलन रविवार को आयोजित हुआ इस सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार चित्तौड़ ने कहा है कि कौशांबी की तीनों विधानसभा सीट के साथ-साथ उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर पाटी प्रत्याशी उतारेगी और बड़ी मजबूती के साथ विधानसभा चुनाव लड़ेंगे उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव में भाजपा और समाजवादी पाटी उनके सामने कही दिखाई नही पड़ रही है भीम आमी आजाद समाज पाटी के कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद क्षेत्र में सियासी हलचल तेज नजर आ रहा है और बड़े राजनीतिक दल के संभावित प्रत्याशियों के चेहरे पर हवाइयां उड़ने लगी है भीम आमी आजाद समाज पाटी के द्वारा चायल विधानसभा क्षेत्र से डॉक्टर निसार अहमद सिद्दकी को प्रत्याशी घोषित किया गया है डॉक्टर निसार अहमद सिद्दीकी के नेतृत्व में आयोजित विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन में हजारों लोग शामिल हुए इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी देखने को मिली। चायल क्षेत्र के तिलहापुर मोड़ स्थित मखऊपुर बाग में भीम आमी आजाद समाज पाटी का विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन रविवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई विधानसभा चायल प्रत्याशी डॉ.निसार अहमद ने की,जहां क्षेत्र से पहुंचे हजारों कार्यकर्ताओं ने पाटी के प्रति अपना समर्थन जताया।सम्मेलन में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सुनील कुमार चित्तौड़ का कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। वही विशिष्ट अतिथि विनय सागर का भी गमजोशी से अभिनंदन किया गया।मुख्य अतिथि ने संगठन को मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव में मजबूती से उतरने की बात कही साथ ही सपा और भाजपा पर जमकर निशाना साधा।कार्यक्रम के दौरान पाटी की नीतियों और आगामी चुनावी रणनीति पर चर्चा की गई। बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ताओं में उत्साह देखने को मिला। फिलहाल इस सम्मेलन को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है। अब देखना होगा कि यह भीड़ चुनावी मैदान में कितना असर दिखाता है। इस दौरान जिला अध्यक्ष ?तनवीरुल हसन प्रदेश सचिव नन्द लाल पासी,प्रदेश संयोजक डाक्टर कुलदीप भार्गव , प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील पटेल, मण्डल प्रभारी प्रयागराज बीरेंद्र सरोज,प्रयागराज जिलाध्यक्ष भोलानाथ पटेल सहित हजारों लोग कार्यक्रम में मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

लिफ्ट मांगकर व्यापारी को फंसाया गले में फंदा डालकर लूटे 25 हजार

महेवा घाट कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र के टेवा बाजार के व्यापारी गोपाल केसरवानी जब घर लौट रहे थे तभी एक युवक ने मदद के बहाने उनसे लिफ्ट मांगी पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के जजौली गेट के पास पहुंचते ही पीछे से पल्सर बाइक पर दो और बदमाश आ गए और व्यापारी को दबोच लिया बदमाशों ने व्यापारी के गले में रस्सी बांधी और पास के एक निर्माणाधीन मकान में ले जाकर उन्हें लटका दिया बदमाशों ने व्यापारी को बंधक बनाकर बुरी तरह पीटा जिससे इलाके में सनसनी फैल गई छत की ऊंचाई कम होने और रस्सी के पतली होने की वजह से व्यापारी की जान बच गई तीन बदमाश व्यापारी के पास मौजूद 25 हजार रुपए नगद लूटकर बड़ी आसानी से फरार हो गए पश्चिम शरीरा थाना पुलिस अब बदमाशों की तलाश और मामले की छानबीन में जुट गई है।

मामूली धाराओं में पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के फरीदपुर सुलेम गांव निवासी सोनू पासी पुत्र दशरथ लाल पासी वा उनकी पत्नी हीरा मती पर 1 मई को गांव के देशराज यादव ने अपने दो बेटों के साथ मिलकर कुल्हाड़ी से प्राण घातक हमला किया था जिसे सोनू पासी को गंभीर चोटें आई महिला को भी चोट आई है मामले में थाना पुलिस ने 115 (2) 352 351 (दो) एससी एसटी सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया यह सभी धाराएं हल्की मारपीट के है प्राण घातक हमले की धाराएं नही लगाई गई है हमले को लेकर पीड़ित परिवार रविवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा था लेकिन एसपी साहब के मौजूद न होने के चलते शिकायती पत्र नही दे सका है आरोपी देशराज यादव पुत्र भुल्ली यादव ने 6 महीने पहले सोनू पासी से लाख रुपए नगद उधार लिया था यही एक लाख रुपए देशराज यादव से सोनू मांग रहा था नियत खराब होने के चलते देशराज यादव बकाया भुगतान नही दे रहे देशराज यादव पहले भी सोनू पासी को कई बार मारपीट गाली गलौज कर चुके है 1 मई की दोपहर को भी सोनू पासी को मारा पीटा गया जिसमें पुलिस ने समझौता करवा दिया पुलिस के समझौता के बाद दोबारा फिर सोनू पासी पर उन्ही लोगों द्वारा प्राण घातक हमला किया गया जिससे थाना पुलिस की भूमिका पर भी सवाल खड़े है।

जुआ फड़ संचालन कर रहे देशराज के साथ थाना पुलिस के क्या रिश्ते

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के एक गांव में लम्बे समय से जुआ फड़ का संचालन कर रहे देशराज के साथ थाना पुलिस के क्या संबंध है यह बड़ी जांच का विषय है लंबे समय से इलाके के फरीदपुर सुलेम मेडुवा वा आस पास जुआ की फड़ जम रही है जहां कई दर्जन जुआरी प्रतिदिन एकत्रित होते है और लाखों रुपए का जुआ खेलने के दौरान जीते जुआरियों से नाल के नाम पर कमीशन की रकम देशराज द्वारा वसूला जाता है जुआ की फड़ की कई बार शिकायतें भी हुई लेकिन देशराज की जुआ फड़ थाना पुलिस ने नहीं बंद कराई है जिससे थाना पुलिस के कार्यों पर सवाल खड़े हैं आखिर देशराज और थाना पुलिस के क्या संबंध है यह बड़ी जांच का विषय है।

रात्रि ड्यूटी में तैनात पुलिस बल का एसपी ने किया निरीक्षण

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण द्वारा जनपद भ्रमण के दौरान थाना मंझनपुर क्षेत्रांतर्गत समदा चौराहा पर रात्रि ड्यूटी में तैनात पुलिस बल का निरीक्षण चेकिंग की गई।इस दौरान ड्यूटी पर मौजूद पुलिसकर्मियों की सतर्कता, मुस्तैदी एवं कार्यप्रणाली का जायजा लिया गया तथा उन्हें संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों पर कड़ी निगरानी रखने एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।पुलिस अधीक्षक द्वारा सभी पुलिसकर्मियों को ड्यूटी के दौरान पूर्ण सजगता एवं जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए, जिससे जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनी रहे।

मंदिर में सफाई करने वाले को अराजक तत्व कर रहे परेशान

कौशांबी। मंझनपुर खंड विकास अधिकारी कार्यालय परिसर में प्राचीन शिव मंदिर को तत्कालीन ब्लॉक प्रमुख सूर्यभान करवरिया ने सुंदरीकरण कराया था इस मंदिर की देखरेख साफ सफाई रामकृष्ण तिवारी द्वारा की जा रही है मंदिर की साफ सफाई और पूजा पाठ रामकृष्ण तिवारी जब करने मंदिर पहुंचने है तो आसपास मौजूद अराजक तत्व रामकृष्ण तिवारी से लड़ाई झगड़ा गाली गलौज विवाद करते है अराजक तत्वों के आचरण से रामकृष्ण तिवारी परेशान हो गए है बताया जाता है कि रात होने के बाद अराजक तत्व मंदिर में गलत हरकत करते हैं जिससे वह मंदिर में रामकृष्ण तिवारी को रुकने नही देना चाहते है अराजक तत्व शिव मंदिर को कब्जा करना चाहते है जिससे भक्तों में आक्रोश व्याप्त है।

एक करोड़ 17 लाख से ग्राम पंचायत टेवा में बनेगा बारात घर

भाजपा जिलाध्यक्ष धमर्राज मौर्य ने किया भूमि पूजन

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। मंझनपुर विकास खंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत टेवा में 1.17 करोड़ से बारात घर बनेगा भाजपा जिलाध्यक्ष धमर्राज मौर्य ने बारात घर का भूमि पूजन कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण मानकों के अनुरूप और गुणवत्तापूर्ण हों ।उन्होंने बताया कि 1.17 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह बारात घर केवल एक भवन नहीं बल्कि क्षेत्र की सामाजिक एकता,सांस्कृतिक परंपरा और जनसुविधा का प्रतीक बनेगा, भारतीय जनता पाटी की सरकार की प्रथम प्राथमिकता है कि हर वर्ग तक विकास की रोशनी पहुंचे और यह परियोजना उसी संकल्प का परिणाम है,अब गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को शादी विवाह जैसे आयोजनों के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि यह बारात घर उनकी खुशियों का साक्षी बनेगा और सामाजिक समरसता को और मजबूत करेगा।भाजपा जिलाध्यक्ष ने ग्रामीणों से अपील की है कि इस बारात घर को अपना समझकर इसकी साफ सफाई व देखभाल की जिम्मेदारी लें इस मौके पर कोऑपरेटिव चेयरमैन शिवमोहन मौर्य,नगर पालिका अध्यक्ष मंझनपुर बीरेंद्र सरोज फौजी,जिला महामंत्री ज्योति केसरवानी,ग्राम प्रधान अवनीश तिवारी,सुनील तिवारी विजय तिवारी सहित खंड विकास अधिकारी एडीओ पंचायत और पंचायत सचिव वा कार्यकर्ता ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सवाल तो पूछेंगे ? क्या कौशांबी में कानून का राज है या फिर खनन माफियाओं का ?

अखंड भारत संदेश

यमुना नदी पर खनन सिंडिकेट का कब्जा कौशांबी में बेखौफ खेल, सिस्टम पर सीधे सवाल, महेवाघाट से भावनसुरी तक नामजद चेहरे बेनकाब मिलीभगत, वसूली और धमकियों से दहशत

कौशांबी। जिले के मंझनपुर और चायल तहसील क्षेत्र में यमुना नदी के विभिन्न घाटों से बालू अवैध खनन अब छुपा हुआ अपराध नहीं, बल्कि खुला संगठित कारोबार बन चुका है। यमुना नदी के महेवाघाट से भावनसुरी घाट पर दिन दहाड़े पोकलैंड जेसीबी मशीन से यमुना नदी की जलधारा से बालू निकासी की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि यह सब कुछ प्रशासनिक तंत्र की आंखों के सामने हो रहा है,फिर भी कारवाई शून्य है जिससे मिलीभगत की बू साफ महसूस होती है। ग्रामीणों के मुताबिक,यह कोई बिखरा हुआ मामला नहीं,बल्कि एक संगठित खनन सिंडिकेटह्है जो महेवाघाट से भावनसुरी तक अपनी पकड़ बनाए हुए है। आरोप है कि इस पूरे नेटवर्क में पंजाब कनेक्शन जैसे नाम खुलकर सामने आ रहे हैं,जो कथित तौर पर खुलेआम खनन कर रहे हैं और प्रभाव के दम पर सिस्टम को चुनौती दे रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यमुना नदी के किनारों का तेजी से कटाव हो रहा है जलस्तर गिर रहा है और पर्यावरणीय संतुलन लगातार बिगड़ रहा है। लेकिन इन गंभीर खतरों के बावजूद जिम्मेदार विभागों की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। आरोप यहां तक हैं कि हर महीने मोटी रकम सेटिंग के नाम पर पहुंचाई जाती है,जिसके चलते खनन विभाग और स्थानीय पुलिस कारवाई से बचती नजर आती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जो भी इस खेल के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश करता है,उसे डराया धमकाया जाता है। ग्रामीणों ने साफ कहा कि शिकायत करने पर उन्हें प्रताड़ित किया जाता है और जान से मारने तक की धमकियां दी जाती हैं। इससे पूरे इलाके में भय और असुरक्षा का माहौल बना हुआ है। अब सवाल यह है कि क्या कौशांबी में कानून का राज है या फिर खनन माफियाओं का? क्या प्रशासन इस पूरे नेटवर्क पर शिकंजा कस पाएगा या फिर यह अवैध खेल यूं ही चलता रहेगा? ग्रामीणों ने शासन प्रशासन से मांग की है कि पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष जांच कराई जाए,नामजद आरोपियों की भूमिका की पड़ताल हो और अवैध बालू खनन के इस जाल को जड़ से खत्म किया जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन इस चुनौती को गंभीरता से लेता है या फिर यमुना नदी का सीना यूं ही छलनी होता रहेगा।

सम्पादकीय

विपक्ष के आगे लाचार सत्तारुढ़ भाजपा

संसद और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण की मुहिम अब भाजपा के लिए चुनावी हथियार बन चुकी है। पाठक जानते हैं कि हाल ही में संपन्न पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के बीच 16 अप्रैल को केंद्र सरकार ने संसद का तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया था। जबकि सारे जरूरी काम कुछ दिन पहले खत्म बजट सत्र में भी किए जा सकते थे। लेकिन विशेष सत्र बुलाने पर विशेष कवरेज भी सरकार को मिलता और यही भाजपा का मकसद भी था। महिलाओं के आरक्षण से जुड़ा नारी शक्ति वंदन अधिनियम तो 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका था।

फिर भी इसे तीन साल तक अमल में लाने लायक नहीं बनाया गया। मोदी सरकार ने इसे आगामी जनगणना और संसदीय क्षेत्रों के परिसीमन तक ठंडे बस्ते में डाल दिया था। जबकि महिला आरक्षण को लागू कर-के 2024 के लोकसभा और तब से संपन्न कई विधानसभा चुनाव कराए जा सकते थे। लेकिन इसमें भाजपा को चुनावी फायदा शायद नहीं होता। इसलिए 131वें संविधान संशोधन विधेयक की आड़ में पहले से ही पारित महिला आरक्षण विधेयक को दोबारा संसद के पटल पर रखने की चाल भाजपा ने चली। मगर विपक्ष की एकजुटता और दमदार विरोध से यह विधेयक संसद में गिर गया। कायदे से इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी को इस्तीफा दे देना चाहिए था क्योंकि इससे उनकी सरकार के अल्पमत में होने का प्रमाण मिल चुका था। लेकिन इसकी जगह अब विपक्ष को महिला विरोधी बताने की मुहिम देश भर में भाजपा ने छेड़ दी है।

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और दिल्ली जैसे राज्यों में विधानसभाओं के विशेष सत्र इसी मुद्दे पर बुलाए गए और मजेदार बात ये है कि कांग्रेस समेत विपक्ष को घेरने के लिए जो शब्दावली इस्तेमाल में लायी जा रही है, वो एक ही कलम से निकली हुई लग रही है। जैसे भाजपा की ट्रोल आर्मी सोशल मीडिया पर किसी को चने के झाड़ पर चढ़ाने या फिर उसे बदनाम करने के लिए एक जैसे पोस्ट थोक के भाव में करवाती है, कुछ वैसा ही माहौल अब विधानसभाओं का बनाया जा रहा है। जैसे उत्तरप्रदेश में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने समाजवादी पार्टी के लिए कहा कि 'आपके आचरण पर तो गिरगिट भी शरमा जाए। आज अगर आप 33 प्रतिशत आरक्षण की बात कर रहे हैं ।

बंगाल का चुनाव: लोकतंत्र पर हावी चुनावतंत्र

अरविन्द मोहन

बंगाल चुनाव में हिंसा की परंपरा बनाने में वाम दलों की भी भूमिका रही है और अगर कभी बिहार के चुनाव हिंसा के लिए बदनाम थे तो आज वह बदल चुका है। लेकिन बंगाल में चुनाव देश भर में सबसे ज्यादा हिंसक क्यों हैं इस पर ममता बनर्जी और अधीर रंजन चौधरी को भी सोचना होगा। इस बार बंगाल चुनाव मतदाता सूची के विशेष संशोधन अभियान को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा में रहा।

यह आलेख लिखे जाने तक बंगाल के अंतिम चरण का चुनाव प्रचार रुक चुका है और प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री वापस दिल्ली लौट चुके हैं। लेख छपने तक मतदान हो रहा होगा या हो चुका होगा। लेख का विषय बंगाल के इस चुनाव में दिखी कुछ ज्यादा ही डरावनी बातों की चर्चा है लेकिन खुद इस पर चुनावी रंग न चढ़ने देने की मंशा से ही इसे लिखने में देरी की गई। चुनाव हर बार ज्यादा दिलचस्पी जगाते हैं, उनके नतीजों का असर सामान्य दिखने की तुलना में ज्यादा गहरा होता है लेकिन बंगाल का इस बार का चुनाव पड़ोस के असम या साथ चुनाव में उतरे तमिलनाडु और केरल से कहीं ज्यादा दूरगामी असर वाला है, इसकी विकृ तियां ज्यादा बड़ी हैं। और दुखद यह है कि इसके नायक या खलनायक तो शीर्ष वाले वही लोग थे जिन पर मुल्क, प्रदेश और राजनीति को चलाने का जिम्मा है। यह सब कहने का मतलब यही है कि बंगाल चुनाव के नतीजों के बाद वहां जो कोई सत्ता में आए

या केंद्र में बैठे बड़े लोग हों, सबको बहुत ठंडे मन से चुनाव के पूरे क्रम और अपने कामों पर भी गंभीरता से सोचना होगा और चीजें सुधारने की तरफ कदम बढ़ाने होंगे। उम्मीद ज्यादा नहीं है लेकिन यह भी लगता है कि अगर एक दशक तक गंभीरता से काम हो तब शायद सुधार हो पाएगा। इसमें लोगों की मुस्तैदी भी जरूरी है लेकिन आज चुनाव ऐसा बन चुका है कि चीजें कहां से संचालित होती हैं। कहना मुश्किल है और लोगों के पास एक बटन दबाने में विवेक दिखाने के अलावा ज्यादा कुछ बचा नहीं है। शायद उससे ही चमत्कार हो जाए।

चुनावी खर्च मुद्दा नहीं रह गया है और बंगाल चुनाव में भी ज्यादा बड़ा मुद्दा हो लगा नहीं। अदने से विधायक हुमायूं कबीर को हजार करोड़ रुपए देने की पेशकश और उनका कबूलनामा भी मुद्दा नहीं बन पाए। बाकी कितना पैसा पकड़ा गया, कितनी शराब जब्त हुई टाइप सूचनाओं से तो अब खर्च का हिसाब नहीं लगता। सिर्फ एक दल के डेढ़ सौ हेलीकाप्टर या चार्टर्ड प्लेन चुनाव भर मंडराते रहे तो कितना खर्च आया होगा, यह सोचा जा सकता है। हां, इस बार बंगाल में बाहर से बड़े पैमाने पर दूसरे राज्यों में गए वोटर ढोकर लाए गए, उसकी चर्चा जरूर हुई। खर्च में वाम दल और कांग्रेस की कौन कहे ममता बनर्जी की पार्टी का हिसाब भी भाजपा की तुलना में नगण्य था। लेकिन भाजपा इसी तरह का खर्च करने और मैनेजमेंट के लिए 'नामी' है। और वह अभी तक कहीं भी चुनावी मुद्दा नहीं बना है-कभी इसी बंगाल या पड़ोस के बिहार में यह बनता भी था। हिंसा के मामले में तृणमूल कमजोर पड़ी हो यह कहना मुश्किल है। भाजपा ने अपने जी भर प्रयास किया लेकिन उसमें केन्द्रीय बलों और केंद्र सरकार के बल का भी हिस्सा था और चाहे केन्द्रीय बलों की ताकत से हो या जैसे भी, लेकिन चुनाव अगर हिंसा से मुक्त हों, या इस बार पहले की तुलना में कम हिंसा हुई हो तो उसका स्वागत किया जाना चाहिए। भाजपा एक तरफ भयमुक्त चुनाव का दावा करती रही लेकिन सबसे छंटे बदमाशों को टिकट देने में परहेज नहीं किया। यह क्या है और इसके पीछे की मंशा क्या है यह समझना आसान नहीं है। बंगाल चुनाव में हिंसा की परंपरा बनाने में वाम दलों की भी भूमिका रही है और अगर कभी बिहार के चुनाव हिंसा के लिए बदनाम थे तो आज वह बदल चुका है। लेकिन बंगाल में चुनाव देश भर में सबसे ज्यादा हिंसक क्यों हैं इस पर ममता बनर्जी और अधीर रंजन चौधरी को भी सोचना होगा।

इस बार बंगाल चुनाव मतदाता सूची के विशेष संशोधन अभियान को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा में रहा और आखिरी दिन तक अदालती आदेश से वोट का हक पाने की उम्मीद लगाए लाखों वोटर मायूस हुए। अपने दोस्त योगेंद्र यादव का कहना है कि अक्टूबर 2025 को, अर्थात इस अभियान के शुरू होने से पहले राज्य की वयस्क आबादी 7.67 करोड़ थी और राज्य में मतदाताओं की संख्या 7.66 करोड़। साफ है कि यहां ज्यादा कुछ करने की जरूरत नहीं थी। लेकिन चुनाव आयोग ने पहले 58 लाख नाम काटे और फिर 60 लाख नामों पर 'लाजिकल डिस्क्रिपेंसी' का लाल झण्डा गाड़ दिया गया। इनमें से ज्यादातर वोट के अधिकार से वंचित हुए। किस-किस तरह की गलतियां सामने आईं यह गिनवाना बहुत होगा लेकिन जब लोग कलेक्टर को घेरने तक पहुंच गए तब भी मामले को एकतरफा रखा गया। अदालती दखल भी चुनाव आयोग की तरफ झुका था। और जब इसी क्रम में ईडी के इस्तेमाल और सीधे मुख्यमंत्री द्वारा हंगामा करने का मामला सामने आया तो फिर इस सारे शुद्धिकरण अभियान की गंदगी जिसे न दिखी हो वही अंधा कहलाएगा। हर राज्य में नामों में कतर ब्योंत हुई है लेकिन बंगाल की तरह कहीं नहीं हुई है। और यही कारण रहा कि ममता शासन के 15 साल का रिकार्ड और उससे पैदा नाराजगी के मुख्य चुनावी मुद्दा बनने की जगह मतदाता सूची का शुद्धिकरण ही मुख्य मुद्दा बन गया। पता नहीं इससे ममता को लाभ हो गया या भाजपा की मंशा इस बार पूरी हो जाएगी, यह 4 मई को साफ होगा।

अब नरेंद्र मोदी, अमित शाह, शुभेन्दु अभिकारी, ममता बनर्जी, सायोनी घोष जैसे नेताओं की फौज द्वारा इस चुनाव में की गई गलतियों की सूची बनाने बैठें तो वह इतनी बड़ी बन जाएगी कि पूरा पुराण ही रचा जा सकता है।

लेकिन बंगाल जीतने की तमन्ना मोदी-शाह के अंदर इस कदर हावी रही है कि उन्होंने इससे पहले के चुनावों में भी ऐसी डरावनी गलतियां की हैं। और ममता बनर्जी बंगाल की सेवा के लिए इतनी बेचैन हैं कि उन्होंने जवाब देने में कमी नहीं की।

मजदूर आंदोलन : वेतन से आगे, सामाजिक न्याय की लड़ाई?

– अरुण कुमार डनायक

इतिहास बताता है कि श्रमिक वर्ग केवल वेतन और सुविधाओं की लड़ाई नहीं लड़ता, बल्कि लोकतंत्र और सामाजिक न्याय के आंदोलनों का प्रमुख वाहक रहा है। परिवर्तन की सबसे सशक्त पटकथा अक्सर उन्हीं हाथों से लिखी जाती है, जिनमें मेहनत के निशान होते हैं। अमेरिका में सामाजिक कार्यकताओं को कई बार कम्युनिस्ट, विध्वंसक या व्यवस्था के लिए खतरा बताकर आरोपित किया गया।

मजदूर दिवस' पर श्रमिक आंदोलनों की चर्चा अक्सर फैक्टरी गेट पर विरोध, नारेबाजी, अति-आवश्यक सेवाओं को ठप कर देने या हड़तालों की हिंसक छवियों, शहरों के उद्योग बंद होने की कहानियों तक सीमित रह जाती है। यह दृष्टि उस बड़े सत्य को अनदेखा कर देती है कि दुनिया के मजदूर केवल अपने अधिकारों के लिए ही नहीं, बल्कि देशहित, लोकतंत्र और मानव गरिमा की रक्षा के लिए भी निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं।

भारत में भी श्रमिक वर्ग ने यह भूमिका निभाई है। 'चम्पारण सत्याग्रह' में खेतिहर मजदूर नील

किसानों के साथ खड़े रहे; 1918 में अहमदाबाद, 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान मुंबई की मिल हड़ताल और 'दांडी यात्रा' में कारीगरों, नमक निमार्ताओं और तटीय मजदूरों ने औपनिवेशिक अन्याय के विरुद्ध व्यापक जनशक्ति खड़ी कर मजदूरों की सामूहिक शक्ति प्रदर्शित की थी। डॉ. आंबेडकर के नेतृत्व में महाड़ के 'चवदार तालाब सत्याग्रह' में दलित श्रमिकों ने सामाजिक समानता की लड़ाई को नई दिशा दी थी।

इसी वैश्विक परिप्रेक्ष्य में अमेरिका का 'नागरिक अधिकार आंदोलन' एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

'जिम क्रो' नियमों के तहत अमेरिका में अश्वेत नागरिकों को 'अलग, लेकिन समान' के नाम पर अपमानजनक भेदभाव का सामना करना पड़ता था। सार्वजनिक सुविधाएं, जैसे- बस, ट्रेन, पार्क, स्कूल आदि में व्यवस्थाएं अलग-अलग थीं और मतदान में बाधा डालने के लिए 'साक्षरता परीक्षण' व 'पोल टैक्स' जैसे उपाय थे। इन असमानताओं के विरुद्ध 1950-60 में व्यापक जनांदोलन उभरे, जिनमें श्वेत और अश्वेत सामाजिक कार्यकताओं के साथ-साथ अश्वेत श्रमिकों ने अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर संघर्ष को दिशा दी।

इन आंदोलनों की रीढ़ घरेलू कामगार, औद्योगिक श्रमिक और उनके संगठन थे, जिन्होंने हर स्तर पर संघर्ष को जीवित रखा। ग्रामीण इलाकों में हिंसा और दमन के बावजूद खेतिहर मजदूरों व बटाईदारों ने यूनियनें बनाईं और 'फ्रीडम समर' जैसे अभियानों में सक्रिय भूमिका निभाई। इन सबके बीच पादरी मार्टिन लूथर किंग (जूनियर) इस आंदोलन के सबसे प्रेरक और नैतिक नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरे। उन्होंने महात्मा गांधी की अहिंसा, 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' व सत्याग्रह से प्रेरित होकर श्रमिक वर्ग की शक्ति को संगठित कर संघर्ष को राष्ट्रीय स्वरूप दिया। एक दिसंबर 1955 को एक साधारण कामकाजी महिला रोजा पार्क्स द्वारा मॉन्टगोमरी की बस में श्वेत अमेरिकी नागरिक के लिए अपनी सीट छोड़ने से इंकार करना अचानक उपजा विद्रोह नहीं था। यह वर्षों से सहते आ रहे अपमान के विरुद्ध एक शांत, पर निर्णायक प्रतिकार था। उनकी गिरफ्तारी ने अश्वेत समाज को झकझोर दिया और 381 दिनों तक चलने वाले 'मॉन्टगोमरी बस बहिष्कार' की शुरूआत हुई। इस बहिष्कार की असली ताकत घरेलू कामगार महिलाएं, औद्योगिक श्रमिक, खेतिहर मजदूर और निम्न आय वर्ग के वे लोग थे, जो रोजमर्रा के आवागमन के लिए इन्हीं बसों पर निर्भर थे। बहिष्कार का सबसे बड़ा बोझ भी इन्हीं ने उठाया। लोग मीलों पैदल चले, चर्चों की वैनें चलीं, कार-पूल बने, टैक्सी चालकों ने कम किराए पर यात्राएं कराईं। सुबह अंधेरे में निकलने वाली घरेलू कामगार महिलाएं और मजदूर, लंबी दूरी पैदल चलने की कठिनाइयों के बावजूद डटे रहे। दूसरी ओर श्वेत प्रतिरोध लगातार हिंसक होता गया, किंग के घर पर बम फेंके गए, कार्यकताओं को गिरफ्तार कर जेलों में प्रताड़ित किया गया और आंदोलनकारियों को निरंतर धमकियां दी गईं। इसके बावजूद आंदोलन की आत्मा गांधीजी की अहिंसा के अनुरूप ही रही; जेल की कोठरियों और सड़कों पर 'वी शैल ओवरकम' जैसे आशा भरे गीत गूंजते रहे। मनुष्य की गरिमा और समानता का प्रतीक यह गीत भारत में भी 'हम होंगे कामयाब एक दिन' के रूप में लोकप्रिय हुआ।

पर्यावरण संकट की चुनौती

कुलभूषण उपमन्यु

इस स्थिति से निपटने के लिए तत्काल गंभीर प्रयास करने की जरूरत है, किन्तु जलवायु नियंत्रण समझौतों के विषय में बहुत से देश विमुखता दिखा रहे हैं। जो मान भी रहे हैं, वे भी 'हरित प्रभाव गैसों' के उत्सर्जन में कटौती के लिए स्व-घोषित लक्ष्य ही मानने तक सीमित रहना चाहते हैं। इस स्थिति से बाहर निकल कर कुछ आवश्यक कदम उठाने होंगे। पिछली डेढ़ शताब्दी से, जब से औद्योगिक क्रांति ने विकास की गति तेज की और प्रकृति को जीतने की होड़ मच गई, मशीनों ने बंधक- निर्माण - शक्ति मानव के हाथ में दे दी, तब से विकास की परिभाषा भी धीरे-धीरे बदल गई। गुणात्मक जीवन के बजाय बाहुल्य को विकास माना जाने लगा। प्रकृति के साथ दुर्व्यवहार का एक अंतहीन सिलसिला आरंभ हो गया। प्रकृति के दोहन से ही बाहुल्य के लिए सामान बनाए जा सकते थे, इसलिए प्राकृतिक संसाधनों के असीमित दोहन की शुरूआत हो गई। उपनिवेशवाद के दौर में कम मशीनी शक्ति वाले देशों पर तथाकथित विकसित देशों द्वारा कब्जे किये गए और उनके संसाधनों को बेदर्दी से

नष्ट किया गया। सभ्य कहलाने वाले देशों द्वारा कमजोर देशों के मूल निवासियों को किस तरह प्रताड़ित किया।, उनकी सभ्यताओं को असभ्य घोषित करके नष्ट करने का कार्य किया, वह अपने आप में घिनौना इतिहास है। इसके अवशेष अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों में देखे जा सकते हैं, किन्तु यह आधुनिक सभ्यता अब अपने ही भार से भस्मासुर की तरह नष्ट होने की दिशा में बढ़ती प्रतीत हो रही है। इस सभ्यता ने अपने ही मूल पर आघात करना शुरू कर दिया है। हालांकि वैज्ञानिक समझ के विकास के चलते सब गलत दिशा को समझ भी रहे हैं, किन्तु विज्ञान का दुरूपयोग प्रकृति विनाशक शक्ति के रूप में किया जा रहा है। दुनिया के सबसे विद्वान वैज्ञानिकों को युद्ध-विज्ञान के विकास में संलग्न कर दिया गया है। निर्णय लेने वाले लोग तो आदिम क्रूर मानसिकता के ही वाहक बने हुए हैं जिनके हाथ में मशीन और विज्ञान, प्रकृति एवं प्राणी समाज के साथ मनमानी करने का हथियार बन गया है। ज्ञान, सुख और शांति का वाहक बनने के बजाय युद्ध और क्रूरता का वाहक बन गया है। इस स्थिति में 'संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम' के सातवें अधिवेशन में नैरोबी में प्रस्तुत की गई 'ग्लोबल आउटलुक 2025' रिपोर्ट पर्यावरण के साथ किये जा रहे दुर्व्यवहार को उजागर करती है और अपने तौर-तरीकों पर मानव समाज को पुनर्विचार करके संशोधित करने की दिशा दिखलाती है।

भदोही में साइकिल यात्रा से जागरूकता की अलख, स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अखंड भारत संदेश

गोपीगंज (भदोही)। रविवार को भदोही साइकिलिंग क्लब की ओर से निकाली गई साइकिल यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी रही। यात्रा का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सजग करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करना था।

क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष अताउल मुस्तफा अंसारी के नेतृत्व में निकली यह यात्रा बड़ा चौराहा से शुरू हुई, जिसे डॉ. एस.एस. यादव ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते

हुए खरहट्टी मोहाल स्थित ब्राइट इंग्लिश स्कूल पहुंची, जहां प्रधानाचार्य मेराज अहमद के नेतृत्व में प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। इस दौरान ह्यसाइकिल चलाओ, ईंधन बचाओह्न जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया गया। वक्ताओं ने कहा कि नियमित साइकिल चलाने से न केवल स्वास्थ्य बेहतर रहता है, बल्कि प्रदूषण नियंत्रण में भी मदद मिलती है।

यात्रा में सतीश, शरद, अजय, प्रमोद मौर्य, राजीव जायसवाल, अहमद मोदनवाल, रितिक कनौजिया, रोहित यादव, युग तिवारी, महमूद आलम, श्याम सुंदर बिंद, हासिर खान, आदर्श बिंद, सरफराज अहमद और रवि मोदनवाल सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समापन पुनः स्कूल परिसर में हुआ, जहां आयोजकों ने इस तरह के आयोजन आगे भी जारी रखने की बात कही।

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को बीस साल का कठोर कारावास

सुलतानपुर। स्पेशल जज पाक्सो एक्ट नीरज श्रीवास्तव की अदालत ने किशोरी से दुष्कर्म समेत अन्य आरोपो से जुड़े पंद्रह माह पुराने मामले में एक दिन पूर्व दोषी ठहराए गए स्वामीनाथ कोरी की सजा पर शनिवार को फैसला सुनाया। अदालत ने दोषी स्वामीनाथ कोरी को दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के अपराध में 20 साल के कठोर कारावास व 25 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है।बल्दीराय थाने के एक गांव की रहने वाली पीड़िता किशोरी की माँ ने 27 जनवरी साल 2025 को स्थानीय कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया। वादिनी के मुताबिक उनकी 16 वर्षीय पुत्री शौच के लिए

निकली थी,इसी दौरान स्थानीय थाने के एक गांव के रहने वाले आरोपी स्वामीनाथ कोरी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोप के मुताबिक स्वामीनाथ ने पीड़िता को किसी से यह घटना बताने पर जान से मारने की धमकी दिया था और उसे डराकर लगातार शोषण करता रहा। वादिनी के मुताबिक 27 जनवरी साल 2025 को अचानक पीड़िता के पेट मे दर्द उठा तो जांच कराने पर उसके गर्भवती होने की बात सामने आई और मेडिकल जांच में भी आरोपो की पुष्टि हुई। मामले में वादिनी की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ स्थानीय थाने में मुकदमा दर्ज हुआ और चार्जशीट भी पेश की गई। मामले का ट्रायल स्पेशल जज पाक्सो एक्ट की अदालत में चला। स्पेशल कोर्ट ने आरोपी स्वामीनाथ कोरी के अपराध की गम्भीरता को देखते हुए जमानत देने से भी इनकार कर दिया था। अदालत ने एक दिन पूर्व मामले में स्वामीनाथ को दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट का दोषी मानते हुए उसे जेल दिया था। शनिवार को जेल से तलब दोषी स्वामीनाथ पर अदालत ने फैसला सुनाते हुए उसे पुनः जेल भेजने का आदेश दिया है।

औराई में वर्षों पुराना जमीनी विवाद सुलझा, सीओ राजीव सिंह की पहल से बनी सहमति

अखंड भारत संदेश

भदोही। औराई कोतवाली क्षेत्र के जय रामपुर गांव में लंबे समय से चले आ रहे जमीनी विवाद का शुक्रवार को शांतिपूर्ण समाधान हो गया। प्रशासन की पहल और क्षेत्राधिकारी (सीओ) राजीव सिंह के प्रयासों से दोनों पक्ष आपसी सहमति पर पहुंच गए। बताया जाता है कि जमीन को लेकर दोनों पक्षों के बीच काफी समय से विवाद चल रहा था, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी हुई थी। कई बार पंचायत और विरोध-प्रदर्शन के बावजूद मामला सुलझ नहीं सका था। गोपीगंज निवासी सौरभ सिंह ने न्याय की मांग को लेकर 27 दिसंबर को विवादित जमीन पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया था। उस समय प्रशासन के आश्वासन पर उन्होंने आंदोलन समाप्त कर दिया था, लेकिन तय समय में समाधान न होने पर वे दोबारा धरने पर बैठ गए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सीओ राजीव सिंह ने खुद हस्तक्षेप किया और दोनों पक्षों के बीच कई दौर की वार्ता कराई। लगातार संवाद और समझाइश के बाद अंततः दोनों पक्ष सहमत हो गए और विवाद का निपटारा कर लिया गया। समाधान के बाद सौरभ सिंह ने सीओ कार्यालय पहुंचकर राजीव सिंह का सम्मान किया और मिठाई खिलाकर आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रशासन की निष्पक्ष पहल से उन्हें न्याय मिला है। वहीं, सीओ राजीव सिंह ने कहा कि किसी भी विवाद का समाधान बातचीत और धैर्य से संभव है। उन्होंने दोनों पक्षों के सहयोगात्मक रवैये की सराहना की।

विभागीय दायित्वों के समयबद्ध निर्वाहन हेतु सम्मानित हुए मीटर रीडर विश्वनाथ

सुलतानपुर-बिजली विभाग के उप खंड कार्यालय बल्दीराय में अप्रैल माह के दौरान सर्वाधिक प्रोब बिल तैयार करने वाले मीटर रीडर विश्वनाथ यादव को सम्मानित किया गया। यह सम्मान सुपरवाइजर सुरेन्द्र यादव द्वारा उनके उत्कृष्ट कार्य प्रदर्शन को देखते हुए प्रदान किया गया।इस अवसर पर सुपरवाइजर सुरेन्द्र यादव ने कहा कि विभागीय कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता बनाए रखना बेहद जरूरी है।

विश्वनाथ यादव ने अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए बेहतर कार्य कर अन्य कर्मचारियों के लिए उदाहरण प्रस्तुत किया है।उन्होंने अन्य मीटर रीडरों से भी अपील की कि वे अपने कार्य के प्रति सजग रहें और उपभोक्ताओं को समय पर सही बिल उपलब्ध कराने में सहयोग करें।

15 वर्षीय किशोर का मिला शव शरीर पर चोट के निशान हत्या की आशंका

सुलतानपुर । लंभुआ कोतवाली क्षेत्र के नारायनपुर मिश्रौली मोहना तालाब में रविवार शाम 15 वर्षीय किशोर का शव उतराता मिला ग्रामीणों के अनुसार मृतक के शरीर पर धारदार हथियार के कई निशान हैं घटना से इलाके में सनसनी फैल गई मृतक की पहचान अर्पित गुप्ता पुत्र श्रीनाथ गुप्ता निवासी ग्राम पथरा थाना लंभुआ के रूप में हुई हैं परिजनों के मुताबिक अर्पित की मां लंभुआ ब्लॉक गेट के पास दाना-भूजा बेचने का काम करती हैं अर्पित

स्कूल से छुट्टी होने के बाद मां के काम में हाथ बंटाता था रविवार शाम ग्रामीणों ने मोहना तालाब में शव उतराता देखा तो पुलिस को सूचना दी सूचना पर पहुंची लंभुआ पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं ग्रामीणों का कहना हैं कि शव की स्थिति देखकर प्रथम दृष्टया मामला हत्या का लग रहा हैं ।

800 मेगावाट का सपना या फाइलों में कैद उजाला? चित्रकूट सोलर पार्क पर सवालों की तपिश

- कागजों में चमक, जमीन पर अंधेरा
- सोलर पार्क में अतिक्रमण व विवादों का जाल

अखंड भारत संदेश

सोलर पार्क पर समीक्षा बैठक लेते डीएम

चित्रकूट। 800 मेगावाट सोलर पार्क- जिसे जिले के विकास की नई रोशनी कहा जा रहा था- अब प्रशासनिक पेचों और जमीनी उलझनों में उलझता नजर आ रहा है। शनिवार को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की बैठक में सामने आया कि सीमांकन की प्रक्रिया लेखपालों और राजस्व अधिकारियों की कमी से धीमी पड़ी है, जबकि पारिवारिक भूमि विवादों के कारण एसडीएम अदालतों में लंबित मामलों ने कई भूखंडों के पट्टे अटका दिए हैं। खरगदाह गांव में 296.296 एकड़ सरकारी भूमि का हस्तांतरण नक्शा-तर्मिम के अभाव में ठप है। उधर, दोदियामाफी और सेमारा में सर्वेक्षित भूमि पर अतिक्रमण के बावजूद कार्रवाई कागजों तक सीमित है, जबकि गैर-सर्वेक्षित भूमि पर भी कई एकड़ कब्जे की आशंका जताई गई है। वन विभाग द्वारा सेमरा में 11.75 एकड़ भूमि पर वृक्षारोपण ने एक और पेच पैदा कर दिया है। परियोजना के बाहर पट्टे पर दी गई भूमि और बाहर छूटे गांव भी विकास की इस कहानी में सवाल खड़े कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने मऊ एसडीएम को तेजी लाने के निर्देश दिए हैं, लेकिन बड़ा सवाल यही है- क्या चित्रकूट का सोलर सपना फाइलों की धूल झाड़ पाएगा या यूं ही कागजी उजाले में दम तोड़ देगा?

मंदाकिनी किनारे राजाघाट पर सुनियोजित साजिश का खेल सरकारी सड़क पर अवैध कब्जा, सीएम को लिखा पत्र

- नगर पालिका सवालों के घेरे में
- सड़क बनी सौदेबाजी का अड्डा?

अखंड भारत संदेश

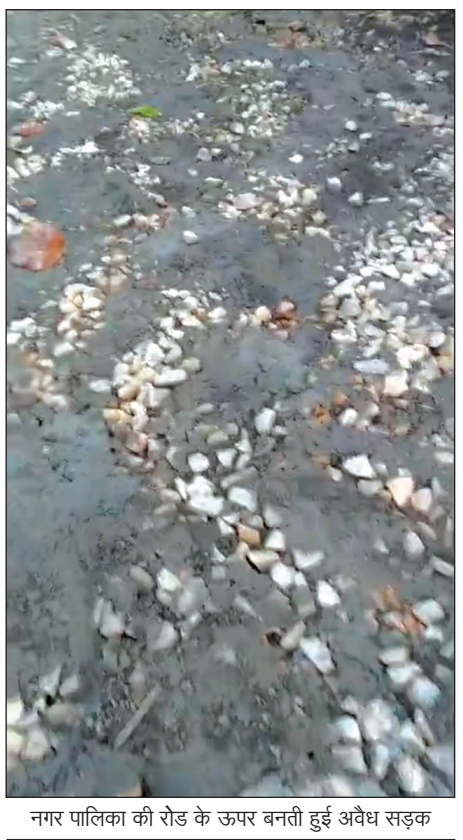

नगर पालिका की रोड के ऊपर बनती हुई अवैध सड़क

चित्रकूट। चित्रकूट धाम की आस्था और पवित्रता के बीच अब सियासत और साठगांठ की बदबू घुलती नजर आ रही है। मां मंदाकिनी घाट से सटी राजा घाट पुरानी बाजार की सड़क, जो कभी श्रद्धालुओं की सहज आवाजाही का रास्ता थी, आज कथित तौर पर मिलीभगत से अवैध कब्जे की कहानी बयां कर रही है। पूर्व सभासद सुशील श्रीवास्तव ने सीधे मुख्यमंत्री को भेजे आवेदन में आरोप लगाया है कि नगर पालिका के जिम्मेदारों ने बाहरी व्यक्ति को फायदा पहुंचाने के लिए पूरी सड़क पर कब्जा करवाया, लेकिन मजे की बात यह है कि इस पूरे खेल में न तो कोई नोटिस जारी हुआ, न ही कोई कार्रवाई की गई। सवाल है कि जहां गरीब व्यक्ति अपने दरवाजे पर छोटी सी सीढ़ी बना ले तो बुलडोजर चल जाता है, वहीं पूरी सड़क पर कब्जा होने के बावजूद प्रशासन क्यों मौन है? क्या यह महज लापरवाही है या फिर अंदरूनी गठजोड़ का सुनियोजित खेल? आरोप यह भी है कि बाद में इसी अवैध कब्जे को हटाने के नाम पर सरकारी धन का खेल खेला जाएगा और लाभ उठाया जाएगा। धार्मिक नगरी की सड़कों पर भ्रष्टाचार का यह साया न केवल व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि शासन-प्रशासन की नीयत पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रहा है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि मुख्यमंत्री स्तर से इस मामले में जांच के आदेश होते हैं या फिर यह मामला भी फाइलों में दफन होकर रह जाएगा।

चुनाव खत्म, महंगाई चालू- चित्रकूट कांग्रेस ने सरकार पर बोला सीधा हमला

अखंड भारत संदेश

मासिक बैठक में मौजूद कांग्रेसी

चित्रकूट। महंगाई की मार से कराहती जनता और सियासी वादों की खोखली गूंज के बीच आज जिला कांग्रेस कमेटी चित्रकूट की मासिक बैठक पहाड़ी रोड स्थित कैंप कार्यालय में आयोजित हुई, जहां जिला अध्यक्ष कुशल सिंह पटेल ने सीधे सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि चुनाव खत्म होते ही गैस, पेट्रोल और डीजल के दामों में आग लग जाती है, जिससे आम आदमी की कमर टूट रही है। चुनाव के समय बड़े-बड़े जुमले परोसे जाते हैं, लेकिन बाद में जनता को सिर्फ महंगाई का जहर पीना पड़ता है, उन्होंने तल्ख अंदाज में कहा। पटेल ने गिरते रुपये को अर्थव्यवस्था की कमजोरी का आईना बताते हुए दावा किया कि कांग्रेस पार्टी अब सड़कों पर उतरकर जनता के हक की लड़ाई लड़ेगी। बैठक में जिला उपाध्यक्ष चुनवाद प्रसाद, अनिल गुप्ता, शिव गुलाम वर्मा, जिला महासचिव कालीचरण राजपूत, दिवाकर प्रसाद त्रिपाठी समेत कई वरिष्ठ नेताओं ने भी महंगाई और बेरोजगारी को लेकर सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए। ब्लॉक अध्यक्षों और कार्यकताओं की मौजूदगी में यह बैठक एक तरह से आगामी राजनीतिक संघर्ष का बिगुल बन गई, जहां संदेश साफ था- अब महंगाई के खिलाफ आर पार जंग तेज होगी।

स्मार्ट मीटर की डिजिटल लूट के खिलाफ भड़का आप का जनाक्रोश, 20 हजार करोड़ के खेल का आरोप

- रिचार्ज के बाद अंधेरा
- डिजिटल इंडिया की डिजिटल लूट?

अखंड भारत संदेश

तहसील में प्रदर्शन करते आप कार्यकर्ता

चित्रकूट। जिले की सियासी फिजा उस वक्त तपने लगी जब आम आदमी पार्टी ने स्मार्ट मीटर के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए पटेल तिराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। जिला विद्युत कार्यालय राधालाज के सामने कार्यकताओं ने स्मार्ट मीटर के छायाचित्र जलाकर सरकार के खिलाफ आक्रोश का इजहार किया और राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान नारे गूंजे- स्मार्ट मीटर नहीं, स्मार्ट चीटर है, और आरोपों की बौछार ने बिजली व्यवस्था की सच्चाई पर सवाल खड़े कर दिए। जिलाध्यक्ष सन्तोषी लाल शुक्ला ने कहा कि यह योजना अब राहत नहीं, बल्कि डिजिटल लूट का प्रतीक बन चुकी है, जहां रिचार्ज के बाद भी घंटों बिजली बहाल नहीं होती और उपभोक्ता अंधेरे में छटपटाते हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में 78-80 लाख स्मार्ट मीटर लग चुके हैं, जिनमें भारी गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। 1500 रुपए का बिल सीधे 6000-7000 रुपए तक पहुंचना आम हो गया है। वहीं 20 हजार करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट में बड़े घोटाले और कमीशनखोरी की आशंका जताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग उठी। किसानों की पीड़ा भी कम नहीं-4जी स्मार्ट मीटर के चलते नलकूपों पर बढ़े बिल और नेटवर्क समस्याओं ने सिंचाई व्यवस्था को चरमरा दिया है। पार्टी नेताओं ने आरोप लगाया कि वैकल्पिक बताकर जबरन प्रीपेड मीटर थोपे जा रहे हैं, जो जनता के साथ सीधा धोखा है। चेतावनी साफ थी- यदि मांगें नहीं मानी गईं, तो यह आंदोलन सड़कों से उठकर सदन तक गूंजेगा और डिजिटल इंडिया के नाम पर हो रही कथित लूट का हिसाब मांगेगा।

आस्था के पथ पर स्वच्छता का संग्राम, कामतानाथ परिक्रमा में चला महासफाई महाअभियान

- बिरिजा कुंड से उठी स्वच्छता की लहर
- श्रद्धालुओं को मिला सख्त संदेश

अभियान में लगे सफाईकर्मी

चित्रकूट। चित्रकूटधाम की आस्था पथ पर आज सिर्फ श्रद्धा नहीं, बल्कि स्वच्छता का भी महायज्ञ देखने को मिला। रविवार को कामतानाथ परिक्रमा मार्ग, खासकर बिरिजा कुंड के आसपास, ऐसा दृश्य बना मानो पूरा शहर स्वच्छता ही सेवा का जीवंत उदाहरण बन गया हो। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग, नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता और अधिशासी अधिकारी लाल जी के निर्देशन में नगर पालिका परिषद व कामदगिरि स्वच्छता समिति ने मिलकर व्यापक महासफाई अभियान चलाया। झाड़ू की हर चोट ने गंदगी पर प्रहार किया और कूड़ा-करकट का समुचित निस्तारण कर मार्ग को साफ-सुथरा और सुव्यवस्थित रूप दिया गया। अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह जनजागरण का भी सशक्त मंच बना। श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों से अपील की गई कि वे कूड़ा निर्धारित स्थान पर डालें, प्लास्टिक के उपयोग को कम करें, बंदरों को मार्ग किनारे भोजन दें और सार्वजनिक स्थानों पर थूकने से बचें। कामदगिरि स्वच्छता समिति के अध्यक्ष व ब्रांड एंबेसडर राकेश केशरवानी ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के तहत जनभागीदारी को सबसे बड़ा हथियार बताते हुए सहयोग की अपील की। इस दौरान शिवा कुमार, कृष्णा शुक्ला समेत कई कार्यकर्ता और कर्मचारी सक्रिय भूमिका में नजर आए।

पाठा के युवाओं को मिला टेक्नोलॉजी का हथियार, शुरू होगी डिजिटल लाइब्रेरी

चित्रकूट। जिले के पाठा क्षेत्र में शिक्षा की तस्वीर बदलने जा रही है, जहां रुकमा बुजुर्ग में जल्द ही डिजिटल लाइब्रेरी की शुरूआत होने वाली है। बुन्देलखण्ड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष प्रखर पटेल और समाजसेवी मुकेश कुमार के प्रयासों से यह पहल साकार हो रही है, जो क्षेत्र के युवाओं के लिए किसी वरदान से कम नहीं मानी जा रही। इस लाइब्रेरी में विद्यार्थियों को आधुनिक डिजिटल संसाधन, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए सामग्री और बेहतर अध्ययन वातावरण मिलेगा। अब छात्रों को पढ़ाई के लिए शहरों की ओर पलायन नहीं करना पड़ेगा। प्रखर पटेल ने इसे शिक्षा के जरिए विकास की मजबूत नींव बताया, वहीं मुकेश कुमार ने इसे पाठा के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में निर्णायक कदम करार दिया।

नारद जयंती पर चमका चित्रकूट, राजकुमार याज्ञिक बने पत्रकारिता का गौरव

- याज्ञिक को मिला नारद सम्मान महान
- कलम की ताकत बनी पहचान

अखंड भारत संदेश

पत्रकार राजकुमार याज्ञिक को सम्मानित भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ सदस्य

चित्रकूट। जिले की पत्रकारिता के आकाश में उस वक्त एक नया उजाला फैल गया, जब देवर्षि नारद जयंती के पावन अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार राजकुमार याज्ञिक को आद्य पत्रकार देवर्षि नारद सम्मान से नवाजा गया। लखनऊ के सहकारिता भवन सभागार में आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में यह सम्मान जैसे ही घोषित हुआ, पूरे जिले में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय संरक्षक डॉ बालकृष्ण पांडेय, राष्ट्रीय अध्यक्ष मुनेश्वर मिश्र और राष्ट्रीय संयोजक डॉ भगवान प्रसाद उपाध्याय समेत कई दिग्गजों की मौजूदगी में यह सम्मान याज्ञिक के कंधों पर सजा, तो मानो चित्रकूट का मान बढ़ गया। बल्दाऊगंज निवासी याज्ञिक वर्षों से ग्रामीण समस्याओं की आवाज बनकर सत्ता के गलियारों तक सच पहुंचाते रहे हैं। उनके शब्दों में सिर्फ खबर नहीं, बल्कि बदलाव की दस्तक सुनाई देती है। पहले भी पत्रकार श्री और पत्रकार भूषण जैसे सम्मान पा चुके याज्ञिक आज पत्रकारों की उम्मीदों का चेहरा बन चुके हैं। जिले के पत्रकारों में इस सम्मान को लेकर उत्साह और गर्व साफ दिख रहा है। उम्मीद जताई जा रही है कि उनके नेतृत्व में पत्रकारों के हक की लड़ाई और मजबूत होगी, और सच की मशाल यूं ही जलती रहेगी।

राजापुर थाना क्षेत्र में अवैध हथियार बरामद, एक आरोपी हिरासत में

चित्रकूट। जिले में अपराध पर नकेल कसने की मुहिम के तहत राजापुर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। जिले में चल रही सघन कार्रवाई के दौरान थाना राजापुर की टीम ने एक युवक को अवैध हथियार के साथ धर दबोचा। प्रभारी निरीक्षक लाखन सिंह के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार सिंह व उनकी टीम ने कुलदीप वर्मा (20) निवासी धोबीगंज को 315 बोर के अवैध तमंचे, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई ने क्षेत्र में हड़कंप मचा दिया है और अपराधियों में भय का माहौल साफ नजर आ रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 3/25 के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।

रैपुरा क्षेत्र में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दो बच्चे सुरक्षित

चित्रकूट। जिले के रैपुरा थाना क्षेत्र में बरहट पेट्रोल पंप के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार को उजाड़ दिया। दौरहरा निवासी 34 वर्षीय कैलाश चंद्र की तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक पर सवार दो नाबालिग बच्चे चमत्कारिक रूप से सुरक्षित बच गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि कैलाश सड़क पर गिरते ही दम तोड़ बैठे। हादसे के बाद चालक ट्रक सहित फरार हो गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आरोपी की तलाश तेज कर दी है।

दहकते अनुशासन के बीच डॉक्टर बनने की जंग कड़ी सुरक्षा में नीट परीक्षा शांतिपूर्वक सम्पन्न

- 879 में 863 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा
- जिले में दो केंद्रों पर हुई सुरक्षा

चित्रकूट। जिले में रविवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) कड़ी सुरक्षा और सख्त अनुशासन के बीच सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गई। दो प्रमुख परीक्षा केंद्र- चित्रकूट इंटर कॉलेज कर्वी और राजकीय तुलसीदास महाविद्यालय कर्वी- में आयोजित इस परीक्षा में 879 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 863 ने भाग लिया, जबकि मात्र 16 अनुपस्थित रहे। परीक्षा दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक चली, जहां हर कदम पर सतर्कता का साया नजर आया। केंद्र व्यवस्थापक डॉ रणवीर सिंह चौहान और प्राचार्य डॉ राजेश कुमार पाल के निर्देशन में परीक्षा पूरी तरह नकल विहीन और पारदर्शी रही। प्रवेश से पहले अभ्यर्थियों की सघन जांच, आंखों से स्क्रीनिंग, सीसीटीवी कैमरों, वॉइस रिकॉर्डर और जैमर की निगरानी ने किसी भी गड़बड़ी की गुंजाइश खत्म कर दी। हर कक्ष में 24 अभ्यर्थियों पर दो निरीक्षकों की तैनाती रही। प्रशासनिक अमला भी मुस्तैद दिखा- एसडीएम अजय यादव, तहसीलदार चंद्रकांत तिवारी सहित कई अधिकारियों ने औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को परखा। पूरे जिले में परीक्षा को लेकर अनुशासन और गंभीरता का ऐसा माहौल रहा, मानो हर अभ्यर्थी अपने सपनों की परीक्षा नहीं, बल्कि अपने भविष्य की किस्मत लिख रहा हो।

सड़क हादसे में 17 वर्षीय किशोर की मौत, एक बालक सुरक्षित

चित्रकूट। मऊ थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की दुनिया उजाड़ दी। बरियारी कला के पास 17 वर्षीय अरुण कुमार की बाइक अचानक अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। बताया जा रहा है कि वह किसी को बचाने की कोशिश में हादसे का शिकार हुआ। गंभीर रूप से घायल अरुण को मऊ सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। साथ बैठा 8 वर्षीय मोहित बाल-बाल बच गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए जांच शुरू कर दी है।

संघर्ष विराम की आड़ में अमेरिकी कांग्रेस को किया बाईपास

अमेरिका

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने एक चौंकाने वाला दावा किया है। सरकार का कहना है कि ईरान के साथ जारी युद्ध 60 दिनों की कानूनी समयसीमा पूरी होने से पहले ही तकनीकी रूप से खत्म हो चुका है। ट्रंप प्रशासन के मुताबिक, अप्रैल की शुरूआत में हुए युद्धविराम की वजह से यह सैन्य संघर्ष अब खत्म माना जाना चाहिए।

अमेरिका के 'वॉर पावर्स रिजोल्यूशन' कानून के अनुसार, राष्ट्रपति किसी भी सैन्य कार्रवाई को 60 दिनों से ज्यादा समय तक कांग्रेस (संसद) की अनुमति के बिना जारी नहीं रख सकते। यह 60 दिनों की मोहलत शुक्रवार को खत्म हो गई है।

विपक्ष का कहना था कि ट्रंप को अब आगे की कार्रवाई के लिए संसद से मंजूरी लेनी होगी, लेकिन व्हाइट हाउस ने दलील दी है कि युद्ध पहले ही रुक चुका है, इसलिए

किसी नई मंजूरी की जरूरत नहीं है।

सीजफायर और जमीनी हकीकत- वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि 7 अप्रैल से लागू हुए दो हफ्ते के युद्धविराम के बाद से अमेरिकी सेना और ईरान के बीच कोई सीधी गोलीबारी नहीं हुई है। हालांकि, स्थिति अभी भी तनावपूर्ण है। ईरान ने अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना कब्जा जमाया हुआ है। अमेरिका ने ईरान के तेल टैंकरों को रोकने के लिए अपनी सैन्य घेराबंदी कम नहीं की है। अधिकारियों के अनुसार, 28 फरवरी से शुरू हुआ संघर्ष अब आधिकारिक रूप से खत्म हो गया है, क्योंकि युद्धविराम की अवधि को बढ़ा दिया गया है।

मुश्किल में सरकार- ट्रंप प्रशासन इस दावे के जरिए घरेलू राजनीति और कानूनी बाधाओं से बचने की कोशिश कर रहा है। यदि अमेरिकी संसद इस दलील को नहीं मानती है, तो राष्ट्रपति के लिए सैन्य अभियानों को जारी रखना मुश्किल हो सकता है। फिलहाल, व्हाइट हाउस का रुख साफ है कि ईरान के खिलाफ उनकी रणनीति अब युद्ध के बजाय नियंत्रण और दबाव पर टिकी है।

पाकिस्तान का खेल और तेल दोनों खत्म! पेट्रोलियम मंत्री बोले- हमारे पास भारत की तरह रणनीतिक तेल भंडार नही

पाकिस्तान

कल तक ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता कराने को आतुर पाकिस्तान दुनिया को अपनी कूटनीति की क्षमता दिखाने निकला था, लेकिन उसे पहले अपने घर की हालत सुधारनी चाहिए थी। न तो ईरान और अमेरिका के बीच तनाव थमा और न ही पाकिस्तान अपनी साख बचा पाया। उल्टा हाल यह हो गया है कि उसकी अर्थव्यवस्था ढहने के कगार पर पहुंच गई है। पाकिस्तान में तेल की भारी कमी है और जो उपलब्ध है वह इतना महंगा हो चुका है कि आम जनता त्राहि त्राहि कर रही है।

देखा जाये तो इस्लामाबाद की चमकदार कूटनीति का मुखौटा उस वक्त पूरी तरह उतर गया जब ईरान ने आखिरी समय पर ऐसा कदम उठाया जिसने पाकिस्तान की सारी रणनीति ध्वस्त कर दी। जिस मंच को उसने खुद को वैश्विक मध्यस्थ के रूप में स्थापित करने के लिए तैयार किया था, वही मंच उसकी दोहरी नीति और कमजोर रणनीतिक समझ को उजागर कर गया। पाकिस्तान ने खुद को अमेरिका और चीन के बीच संतुलन साधने वाला देश दिखाने की कोशिश की, लेकिन यह संतुलन अब बिखरता नजर आ रहा है।

ईरान-अमेरिका संघर्ष को शांत करने के उद्देश्य से आयोजित इस्लामाबाद वार्ता को ऐतिहासिक पहल बताया गया था, लेकिन शुरूआती दौर में ही यह नाकाम हो गई। लगभग 21 घंटे चली बातचीत के बावजूद अमेरिका और ईरान के बीच मतभेद कम नहीं हुए। इसके बाद भी पाकिस्तान ने दूसरे दौर की वार्ता के जरिए अपनी प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश की, लेकिन ईरान के विदेश मंत्री अब्बास

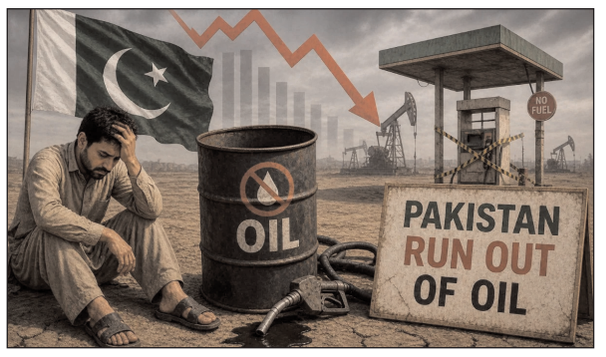

अराघची ने अमेरिकी प्रतिनिधियों से मिलने से साफ इंकार कर दिया। यह केवल एक कूटनीतिक मतभेद नहीं था, बल्कि पाकिस्तान की उस महत्वाकांक्षा पर सीधा प्रहार था जिसमें वह खुद को अनिवार्य मध्यस्थ के रूप में प्रस्तुत कर रहा था।

ईरान का यह रुख अचानक नहीं था। पहले से संकेत मिल रहे थे कि तेहरान प्रत्यक्ष बातचीत से बचना चाहता है और केवल अप्रत्यक्ष संपर्क को ही स्वीकार करेगा। इसके बावजूद पाकिस्तान ने इन संकेतों को नजरअंदाज किया और अपने कूटनीतिक प्रयासों को जरूरत से ज्यादा बढ़ा चढ़ाकर पेश किया। परिणामस्वरूप, जैसे ही ईरान पीछे हटा, पूरी प्रक्रिया ध्वस्त हो गई और पाकिस्तान की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगे।

यह घटनाक्रम पाकिस्तान की विदेश नीति के उस जोखिम भरे खेल को भी सामने लाता है जिसमें वह एक साथ कई दिशाओं में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है। एक ओर वह अमेरिका के साथ संबंध बनाए रखना चाहता है, तो दूसरी ओर चीन के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना चाहता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इस पूरे मामले में चीन की भूमिका भले ही प्रत्यक्ष रूप से सामने न आई हो, लेकिन उसका प्रभाव स्पष्ट रूप से महसूस किया गया, जिससे स्थिति और जटिल हो गई।

इस कूटनीतिक असफलता के साथ-साथ पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति भी तेजी से बिगड़ रही है। इस्लामाबाद में कड़े सुरक्षा इंतजाम, बार-बार का लॉकडाउन और आर्थिक गतिविधियों का ठप होना यह दिखाता है कि यह पूरा प्रयोग देश पर भारी पड़ रहा है। खुद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने स्वीकार किया है कि ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव का सीधा असर पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पर पड़ा है और देश को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। वैश्विक स्तर पर तेल संकट ने इस स्थिति को और गंभीर बना दिया है। मध्य पूर्व में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने के कारण कच्चे तेल की कीमतें 126 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं।

यह मार्ग विश्व की ऊर्जा आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा वहन करता है और इसमें आई रुकावट ने पाकिस्तान जैसे आयात निर्भर देशों को गहरे संकट में डाल दिया है।

भारत एक 'स्थिर चट्टान' की तरह खड़ा है

यूक्रेन

विश्व प्रसिद्ध वित्तीय सलाहकार और 'रिच डैड पुअर डैड' के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने एक हालिया फेसबुक पोस्ट के जरिए दक्षिण एशिया के दो पड़ोसियों–भारत और पाकिस्तान–की आर्थिक और रणनीतिक स्थिति के बीच के गहरे अंतर को उजागर किया है। कियोसाकी ने बताया कि कैसे एक तरफ पाकिस्तान अपने दावों के विपरीत ऊर्जा सुरक्षा के मामले में घुटनों पर है, वहीं दूसरी तरफ भारत वैश्विक संकटों के बीच एक 'स्थिर चट्टान' की तरह खड़ा है। रॉबर्ट कियोसाकी ने पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक की उन टिप्पणियों की ओर ध्यान दिलाया, जिनमें उन्होंने स्वीकार किया था कि देश के पास एक दिन के लिए

भी रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार मौजूद नहीं है।

इस बयान को और भी ज्यादा चुभने वाला बनाने वाली बात यह थी कि कुछ ही दिन पहले उनका लहजा कितना अलग था। पिछली एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, इसी मंत्री ने कहा था कि पाकिस्तान की ईंधन आपूर्ति "सुरक्षित और स्थिर" है। उन्होंने दावा किया था कि देश की स्थिति भारत सहित कई अन्य देशों की तुलना में कहीं ज्यादा मजबूत है; उनके अनुसार, भारत में पेट्रोल पंपों पर लंबी-लंबी कतारें लगी थीं और हर जगह ईंधन की भारी किल्लत थी। उन्होंने ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए "सक्रिय कदमों" की तारीफ की थी और जोर देकर कहा था कि सब कुछ पूरी तरह नियंत्रण में है।

लेकिन रॉबर्ट कियोसाकी ने उन्हें सचमुच आईना दिखा दिया

ईरान संघर्ष के कारण 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' में पैदा हुई बाधा के बाद, पाकिस्तान में ईंधन की कीमतें आसमान छूने लगीं। अप्रैल 2026 की शुरूआत में, पेट्रोल की कीमत लगभग 321 ढडफ से बढ़कर 458 ढडफ प्रति लीटर हो गई, जो कि एक महीने के भीतर 43 प्रतिशत की भारी बढ़ोतरी थी।

कांग्रेस की मंजूरी से बचने के लिए निकाला अनोखा रास्ता

अमेरिका

अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव में एक नया मोड़ आ गया है। ट्रंप प्रशासन ने आधिकारिक रूप से तर्क दिया है कि मध्य पूर्व में उसका युद्ध अब 'खत्म' हो चुका है, क्योंकि पिछले एक महीने से युद्धविराम लागू है। इस दावे के पीछे एक बड़ी कानूनी रणनीति मानी जा रही है, जिसके जरिए राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध शक्तियों पर कांग्रेस की अनिवार्य मंजूरी से बचना चाहते हैं। अब उसका तर्क है कि उसे कांग्रेस की मंजूरी की जरूरत नहीं है; यह मंजूरी राष्ट्रपति को सेना का इस्तेमाल शुरू करने के 60 दिनों के भीतर सैन्य अभियानों को मंजूरी देने या खत्म करने के लिए जरूरी होती है।

ट्रंप प्रशासन के कई अधिकारियों, जिनमें युद्ध सचिव पीट हेगसेथ भी शामिल हैं, ने तर्क दिया है कि 7 अप्रैल के बाद से अमेरिकी और ईरानी सेनाओं के बीच "गोलीबारी का कोई आदान-प्रदान नहीं हुआ है," जिससे व्हाइट हाउस को कांग्रेस की मंजूरी लेने से बचने का मौका मिल जाता है।

उठठ के अनुसार, वर्जीनिया के डेमोक्रेटिक सीनेटर टिम केन के साथ एक बहस के दौरान हेगसेथ ने कहा, "आखिरकार, इस मामले में मैं व्हाइट हाउस और व्हाइट हाउस के वकील की बात मानूंगा; हालांकि, अभी हम युद्धविराम की स्थिति में हैं, जिसका हमारी समझ के अनुसार मतलब है कि युद्धविराम के दौरान 60 दिनों की समय सीमा रुक जाती है या थम जाती है।"

डेमोक्रेट्स ने इस व्याख्या को खारिज कर दिया

डेमोक्रेट्स ने व्हाइट हाउस की इस व्याख्या को खारिज कर दिया है। केन ने कहा कि कानून शायद ही इसका समर्थन करेगा, और साथ ही चेतावनी दी कि इससे ट्रंप प्रशासन के लिए युद्ध को लेकर एक कानूनी सवाल खड़ा हो जाता है, जिसके बारे में कई लोगों का दावा है कि इसे अमेरिकी लोगों पर थोपा गया है।

हालांकि, हेगसेथ ने युद्ध और उसकी व्याख्या पर ट्रंप प्रशासन के रुख का बचाव किया, और इस बात पर जोर दिया कि पेंटागन नागरिकों के लिए सख्त सुरक्षा उपाय बनाए रखता है। उन्होंने डेमोक्रेट्स से कहा, "मेरा मानना ??है कि हमें अमेरिकी लोगों का समर्थन प्राप्त है।"ट्रंप सैन्य विकल्पों पर चर्चा करेंगे

CNN के अनुसार, ट्रंप - जो एक रिपब्लिकन नेता हैं ।

मैं वहां थी ही नहीं, लोर्ना हजदिनी के दावों से केस में आया नया मोड़

जेपी मॉर्गन की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर लोर्ना हजदिनी ने अपने एक पूर्व सहकर्मी द्वारा लगाए गए यौन शोषण के आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। न्यूयॉर्क की अदालत में 'जॉन डो' (बदलना हुआ नाम) द्वारा दायर इस मुकदमे में लोर्ना पर बेहद गंभीर आरोप लगाए गए थे। लोर्ना के वकीलों का कहना है कि उन्होंने कभी कोई गलत व्यवहार नहीं किया और वे उस जगह पर कभी गई ही नहीं, जिसका जिक्र शिकायत में किया गया है।

क्या हैं आरोप और बैंक की जांच?

शिकायतकर्ता (जो भारतीय मूल का बताया जा रहा है) ने आरोप लगाया कि लोर्ना ने उसे नशीली दवाएं दीं, उसका यौन शोषण किया और मांगें न मानने पर करियर बर्बाद करने या बोनस रोकने की धमकी दी। हालांकि, जेपी मॉर्गन बैंक ने इन आरोपों को सिरे से नकार दिया है। बैंक के प्रवक्ता ने बताया कि एक विस्तृत आंतरिक जांच में ईमेल और फोन रिकॉर्ड खंगाले गए, लेकिन आरोपों का कोई सबूत नहीं मिला। बैंक के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने खुद जांच में

सहयोग करने से मना कर दिया था।

मुकदमे के दावों पर उठते सवाल जांच में कुछ ऐसी बातें सामने आई हैं जो शिकायतकर्ता के दावों को कमजोर करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, शिकायतकर्ता सीधे तौर पर लोर्ना को रिपोर्ट नहीं करता था। दोनों की टीमें अलग थीं, जिसका मतलब है कि लोर्ना के पास उसका बोनस रोकने का कोई कानूनी अधिकार नहीं था।

सूत्रों का कहना है कि शिकायतकर्ता ने कंपनी छोड़ने के बदले लाखों पाउंड के मुआवजे की मांग की थी, जिसे बैंक ने 'ब्लैकमेल' जैसा प्रयास माना है। जहां सहकर्मियों ने लोर्ना को 'टॉप परफॉर्मर' और सामाजिक कार्यों से जुड़ी महिला बताया है, वहीं शिकायतकर्ता को काम में ठीक लेकिन स्वभाव में थोड़ा अलग बताया गया है।

दोनों पक्षों का करियर बैकग्राउंड लोर्ना हजदिनी न्यूयॉर्क स्टर्न स्कूल ऑफ बिजनेस से ग्रेजुएट हैं और एक एनजीओ में वॉलंटियर भी हैं। दूसरी ओर, शिकायतकर्ता ने मॉर्गन स्टेनली और क्रेडिट सुइस जैसी बड़ी कंपनियों में काम किया है और फिलहाल न्यूयॉर्क की एक निवेश फर्म से जुड़ा है। फिलहाल कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए कोई तारीख तय नहीं की है, लेकिन अमेरिकी कानून के तहत मीडिया इस मामले की रिपोर्टिंग कर रहा है क्योंकि अदालती दस्तावेजों को विशेषाधिकार प्राप्त होता है।

तैनात होगी सबसे घातक हाइपरसोनिक मिसाइल डार्क ईगल

ईरान

एक ताजा रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सेना ईरान के खिलाफ अपनी सबसे आधुनिक और शक्तिशाली मिसाइल डार्क ईगल तैनात करने पर विचार कर रही है।

अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इस मिसाइल प्रणाली को क्षेत्र में भेजने के लिए औपचारिक मंजूरी मांगी है। इसका मुख्य उद्देश्य ईरान के उन अंदरूनी इलाकों में हमला करना है, जहां उनके बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्चर छिपे हैं और जो अभी अमेरिकी सेना की मौजूदा मिसाइलों की पहुंच से बाहर हैं।

पहली बार होगा हाइपरसोनिक हथियार का उपयोग

अगर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलती है, तो यह इतिहास में पहली बार होगा जब अमेरिका अपनी हाइपरसोनिक मिसाइल को युद्ध के लिए तैनात करेगा। हालांकि रूस और चीन पहले ही ऐसी तकनीक विकसित कर चुके हैं, लेकिन अमेरिका के लिए यह पहला मौका होगा। खास बात यह है कि यह तैयारी ऐसे समय में चल रही है जब अमेरिका और ईरान के बीच 9 अप्रैल से संघर्ष-विराम (सीजफायर) लागू है। यह संकेत है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भविष्य में होने वाली किसी भी बड़ी लड़ाई के लिए खुद को तैयार रख रहे हैं।

कितनी खतरनाक है डार्क ईगल मिसाइल?

इसे लॉन्ग-रेंज हाइपरसोनिक वेपन कहा जाता है। यह आवाज की गति से 5 गुना ज्यादा तेजी से उड़ सकती है। यह उड़ान के दौरान अपनी दिशा बदल सकती है,

जिससे दुश्मन के डिफेंस सिस्टम के लिए इसे रोकना लगभग नामुमकिन हो जाता है। इस मिसाइल की मारक क्षमता 1,725 मील से भी ज्यादा है। सबसे चौंकाने वाली बात इस मिसाइल की कीमत है। एक मिसाइल की कीमत करीब 15 मिलियन डॉलर (लगभग 125 करोड़ रुपये) है। फिलहाल अमेरिका के पास ऐसी केवल 8 मिसाइलें ही उपलब्ध हैं।

खतरे में अमेरिकी विमान और ड्रोन

रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान के कुछ इलाकों में अमेरिका को बढ़त हासिल है,

लेकिन कई हिस्से अभी भी बहुत खतरनाक हैं। ईरान ने अमेरिका के कई आधुनिक ड्रोन (टद-9) और विमानों को मार गिराया है। इसी जोखिम को कम करने के

लिए अमेरिका अब बिना पायलट वाले और बेहद तेज रफ्तार वाले डार्क ईगल जैसे हथियारों पर दांव लगा रहा है, ताकि भविष्य की लड़ाई और भी घातक और सटीक हो सके।

ईरान में आंतरिक संकट गहराया, विदेश मंत्री पद से अराघची को हटा सकते हैं राष्ट्रपति

ईरान

ईरान की सत्ता व्यवस्था इन दिनों गंभीर आंतरिक खींचतान से गुजर रही है, जहां राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं। इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में विदेश मंत्री अब्बास अराघची हैं, जिन पर राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाघेर गालिबाफ का भरोसा कमजोर पड़ता दिख रहा है। दोनों शीर्ष नेताओं द्वारा उन्हें पद से हटाने की संभावना जताई जा रही है, जिससे देश के भीतर सत्ता संतुलन को लेकर नई बहस छिड़ गई है।

सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति और संसद अध्यक्ष का मानना है कि अराघची ने हाल के सप्ताहों में सरकार की नीतियों को लागू करने वाले मंत्री की बजाय इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर के कमांडर अहमद वाहिदी के सहयोगी की तरह काम किया है। आरोप है कि उन्होंने संवेदनशील परमाणु वार्ताओं के दौरान वाहिदी के निदेशों का पालन किया और राष्ट्रपति को इस बारे में पूरी जानकारी नहीं दी। इससे कार्यपालिका के भीतर असंतोष बढ़ा है और राष्ट्रपति ने अपने करीबी सहयोगियों को संकेत दिया है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो वह कड़ा कदम उठा सकते हैं।

यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है जब ईरान पहले से ही राजनीतिक और सैन्य संस्थानों के बीच गहरे मतभेदों से जूझ रहा है। जारी संघर्ष और उसके आर्थिक प्रभावों ने इन मतभेदों को और तीखा कर दिया है। पहले की रिपोर्टों में भी

यह सामने आया था कि राष्ट्रपति पेजेशकियन और कमांडर अहमद वाहिदी के बीच युद्ध प्रबंधन और उसके आर्थिक असर को लेकर गंभीर असहमति है। राष्ट्रपति का मानना है कि युद्ध के कारण आम लोगों की आजीविका और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव पड़ रहा है, जबकि सैन्य नेतृत्व सुरक्षा प्राथमिकताओं को सर्वोपरि मानता है।

सूत्रों ने यह भी बताया कि राष्ट्रपति खुद को एक तरह के राजनीतिक गतिरोध में फंसा हुआ महसूस कर रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें महत्वपूर्ण सरकारी नियुक्तियों पर भी पूरा अधिकार नहीं मिल पा रहा है। दूसरी ओर, वाहिदी का तर्क है कि युद्धकालीन परिस्थितियों में संवेदनशील पदों का नियंत्रण सीधे रिवोल्यूशनरी गार्ड के हाथ में होना चाहिए। इस टकराव ने सरकार के भीतर शक्ति संतुलन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

इन आंतरिक मतभेदों का असर ईरान की विदेश नीति और विशेष रूप से अमेरिका के साथ चल रही वार्ताओं पर भी पड़ा है। जानकारी के मुताबिक, वार्ता टीम के भीतर मतभेदों के कारण अप्रैल के मध्य में बातचीत से पीछे हटना पड़ा। बताया जाता है कि अराघची ने वार्ता के दौरान कुछ मुद्दों पर लचीलापन दिखाया, जैसे क्षेत्रीय सहयोगियों, विशेषकर हिज्बुल्लाह को मिलने वाली वित्तीय और सैन्य सहायता में कमी। इस रुख का वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों, जिनमें मोहम्मद बाघेर जुलघदर भी शामिल हैं, उन्होंने कड़ा विरोध किया। अमेरिका की ओर से भी इस स्थिति पर प्रतिक्रिया आई। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल को लगा कि ईरानी टीम के पास अंतिम समझौता करने का अधिकार नहीं है और उन्हें तेहरान के उच्च नेतृत्व की मंजूरी का इंतजार करना पड़ता है।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा, प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025
प्रबन्धक
अनूप मिश्रा
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा